संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, बुधवार, 15 नवंबर 2023 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

एमपी की रैली में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का गदा देकर अभिनंदन करते हुए पदाधिकारी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 14 अंकः 305 पृष्ठः 08

RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com उत्तराखण्ड संस्करण दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

एमपी विस चुनावः मोदीमय हुआ इंदौर..

= कांग्रेस ने मान लिया है कि मोदी की गारंटी के सामने कांग्रेस के झूठे वादे एक पल भी नहीं टिक सकतेः पीएम मोदी

उमड़ा सैलाब

8 जैसे-जैसे 17 नवंबर की तारीख नजदीक आ रही है। वैसे-वैसे कांग्रेस के नेताओं के दांवों की पोल खुलती जा रही

टीम एक्शन इंडिया/इंदौर

इंदौर में पीएम मोदी का रोड शो हुआ। उनके साथ जीप में भाजपा नेता और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी नजर आए। पीएम ने यहां 55 मिनट का रोड शो किया। इसकी शुरूआत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक एक के बड़ा गणपति मंदिर से हुई थी। वहीं, यह रोड शो विधानसभा क्षेत्र क्रमांक तीन के राजवाड़ा पर खत्म हो गया।

भीड़ बढ़ने से पीएम की गाड़ी के सामने गिरे बैरिकेडः रोड शो के दौरान भीड़ के धक्के से पीएम मोदी की गाड़ी के ठीक सामने बैरिकेड गिरे। इस दौरान पुलिस वाले भी सड़क पर गिर पड़े। हालांकि बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि राजवाड़ा चौक पर मोदी के आते ही भीड़ का दबाव बढ़ गया और मोदी की जीप के ठीक सामने बैरिकेड गिर गए। लेकिन चालक ने ब्रेक लगाकर जीप को टकराने से बचा लिया। प्रधानमंत्री का रोड शो राजवाड़ा पर समाप्त हो गया।

'जहां-जहां कांग्रेस आई, वहां-वहां तबाही लाई'

पीएम मोदी ने कहा, जैसे-जैसे 17 नवंबर की तारीख नजदीक आ रही है। वैसे-वैसे कांग्रेस के नेताओं के दांवों की पोल खुलती जा रही है। आज हमें पूरे एमपी से रिपोर्ट मिल रही है कि कांग्रेस ने हार मानकर खुद को भाग्य भरोसे छोड़ दिया है। कांग्रेस ने मान लिया है कि मोदी की गारंटी के सामने कांग्रेस के झूठे वादे एक पल भी नहीं टिक सकते हैं। नौजवानों, महिलाओं को आगे बढ़ने के नए अवसर देने का, कांग्रेस के लूट और भ्रष्टाचार के पंजे को फिर कभी भी मध्यप्रदेश की तिजोरी पर हाथ न लगा देने का।

मुस्लिम समाज की महिलाओं ने पीएम मोदी को दिया

धन्यवादः इंदौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के दौरान मुस्लिम समाज की महिलाएं बड़ी संख्या में पहुंची। उन्होंने बताया कि तीन तलाक और लाड़ली बहना योजना ने समाज की महिलाओं को मजबूत बनाया है और जीवन जीने की एक नई दिशा दी है। भाजपा की योजनाओं की वजह से मुस्लिम महिलाओं को सम्मान मिला है। मोदी जैसे ही बड़ा गणपति से थोड़ा आगे पहुंचे तो मुस्लिम समाज के मंच पर बड़ी संख्या में महिलाओं, युवतियों और बच्चियों ने उनका स्वागत किया। उनके हाथ में धन्यवाद मोदी के पोस्टर थे और सभी ने फूलों की वर्षा कर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तय कार्यक्रम यानी रोड शो करने के लिए इंदौर पहुंच गए। यहां भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया।

अब हर साल 3.5 लाख करोड़ के मोबाइल बनते हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जब केंद्र में कांग्रेस सरकार थी, तो भारत में हर साल 20 हजार करोड़ रुपये से कम के मोबाइल फोन बना करते थे। जबकि आज भारत में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के मोबाइल बनते हैं। आज पूरा देश लोकल के लिए वोकल हो रहा है। त्योहारों के अवसर पर भारत में बने उत्पाद, भारतीयों के बनाए उत्पाद खरीद रहा है। लेकिन क्या कांग्रेस के किसी भी नेता ने लोकल के लिए वोकल होने को कहा? ' उन्होंने कहा, जैसे-जैसे 17 नवंबर की तारीख नजदीक आ रही है।

'कांग्रेस ने हार मानकर खुद को भाग्य भरोसे छोड़ दिया'

पीएम ने कहा कि वैसे-वैसे कांग्रेस के नेताओं के दांवों की पोल खुलती जा रही है। आज हमें पूरे एमपी से रिपोर्ट मिल रही है कि कांग्रेस ने हार मानकर खुद को भाग्य भरोसे छोड़ दिया है। कांग्रेस ने मान लिया है कि मोदी की गारंटी के सामने कांग्रेस के झूठे वादे एक पल भी नहीं टिक सकते हैं। ये चुनाव है मध्यप्रदेश के विकास को डबल इंजन की रफ्तार देने का।

फास्ट न्यूज

दारोगा की कुचलकर हत्याः मंत्री बोले ऐसा होता रहता है

हाजीपुरः अपने बयानों से चर्चा में रहने वाले बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने फिर से विवादित बयान दे दिया है। जमुई में बालू माफिया द्वारा एक दारोगा की कुचलकर हत्या कर देने के सवाल पर शिक्षा मंत्री ने मीडिया से पूछा कि ये नई घटना है? ऐसी घटना पहली बार हुई है? इससे पहले कभी नहीं हुई है? उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में नहीं होता है? इस तरह की घटनाएं तो होती रही हैं, बिहार के भीतर।

शिक्षा मंत्री ने कहा- इस तरह के अपराध होते रहते हैंः शिक्षा मंत्री ने कहा कि समय-समय पर इस तरह की घटनाएं होती रहती है। पुलिस-प्रशासन अपराधियों को मुंहतोड़ जवाब देती है। अपराधी कितनी देर तक बच पाते हैं? अपराधी संगीन अपराध करते हैं और उसका प्रतिफल होता है कि वह जेल में होते हैं और उन्हें सजा मिलती है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस तरह के अपराध होते रहते हैं। इसके खिलाफ सरकार कार्रवाई करेगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने पलटवार करते हुए कहा कि नीतीश-तेजस्वी के शह पर बालू माफियाओं ने बिहार पुलिस के सब-इंस्पेक्टर पर ट्रैक्टर चढ़ाकर बेमौत मार डाला। बिहार में बालू माफिया, शराब माफिया और जमीन माफिया नंगा नृत्य रहे हैं। वह लगातार टारगेट कर ईमानदार पुलिस वालों की हत्या कर रहे हैं। बिहार में शासन नाम का कोई चीज नहीं है। यहां अपराधियों का शासन है। बालू माफिया पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में जब पुलिस सुरक्षित नहीं है, तो जनता कैसे जिंदा बचेगी। ठगबंधन सरकार माफियाओं के हाथों में बिक चुकी है।

'मैंने आंदोलन में हिस्सा लिया और जेल भी गया'

नागपुरः पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बीच 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का अभिषेक समारोह होने जा रहा है। इसको लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन ने कहा कि यह एक बड़ी उपलब्धि है, जिसका इतिहास हम कभी नहीं भूल सकते। उन्होंने आगे कहा, मैंने खुद अयोध्या के राम मंदिर आंदोलन में हिस्सा लिया था और जेल भी गया था। भगवान राम हमारे इतिहास, विरासत और संस्कृति के प्रतीक हैं।

भूस्खलनः सुरंग में हर सांस के लिए जंग

40 जिंदगिंया बचाने के लिए युद्ध स्तर चल रहा कार्य...

रेस्क्यू अभियान

8 सलक्यारा सुरंग में बार-बार मलबा गिर रहा है। यहां दोबारा मलबा गिरने से भगदड़ मच गई

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून

उत्तरकाशी में यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन सुरंग में हुए भूस्खलन के बाद बचाव अभियान युद्ध स्तर पर जारी है। सुरंग में 12 घंटे की शिफ्ट खत्म कर मजदूर रविवार सुबह करीब आठ बजे दीपावली की छुट्टी मनाने के लिए जाने ही वाले थे, लेकिन ढाई घंटे पहले ही 5:30 बजे सुरंग के सिलक्यारा वाले मुहाने से करीब 250 मीटर आगे 35 मीटर हिस्से में भूस्खलन हो गया। सुरंग में उस वक्त 45 मजदूर थे। मलबा धीरे-धीरे गिरता देख पांच मजदूर तो बाहर भाग गए लेकिन 40 सुरंग में ही फंस गए।

सुरंग में मलबा गिरते ही मची भगदड़ः सिलक्यारा सुरंग में बार-बार मलबा गिर रहा है। यहां दोबारा मलबा गिरने से भगदड़ मच गई। सुरंग में दस मजदूर कर रहे हैं। मलबा गिरते ही भगदड़ मचने से एक मजदूर चोटिल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। एनएचआईडीसीएल (राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम) के गत 6 नवंबर को रिलीव हो चुके महाप्रबंधक कर्नल दीपक पाटिल को उनके अनुभव को देखते हुए दोबारा भेजा गया है। हालांकि इस बार वह रिलीफ इंचार्ज की भूमिका में यहाँ आए हैं।

एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल से बढ़ेगी भारत की ताकत

मॉस्कोः भारत और रूस पारंपरिक रूप से रक्षा सौदे के मामले में सहयोगी देश रहे हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने रूसी समाचार एजेंसी- टीएएसएस के हवाले से बताया कि रूस भारत को इग्ला-एस विमान भेदी मिसाइलों की आपूर्ति करेगा। हाथ से पकड़ी जाने वाली इन विमान भेदी मिसाइलों की आपूर्ति के लिए दोनों देशों ने एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। लाइसेंस के तहत भारत में इग्ला के उत्पादन की अनुमति भी मिली है।

'भारत-नेपाल की साझी संस्कृति का प्रतीक है जौलजीबी मेला'

शुभारंभ

8 जौलजीबी मेला भारत, नेपाल व तिब्बत के सौहार्द, सास्कृतिक व परंपरा को आगे बढ़ाने का कार्य करता है

टीम एक्शन इंडिया/ देहरादून/पिथौरागढ़

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को काली और गोरी नदी के संगम पर आयोजित 110 वर्ष पुराने जौलजीबी मेले का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जौलजीबी मेला भारत, नेपाल व तिब्बत के मध्य आपसी सौहार्द, व्यापारिक, सास्कृतिक व परंपरा को आगे बढ़ाने का कार्य करता है। इस मौके पर मुख्यमंत्री धामी ने

जौलजीबी मेले के लोग रुपये 10 लाख देने की घोषणा की। इस दौरान केएमवीएन ने काली नदी पर युवाओं के लिए आयोजित राफ्टिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया। उन्होंने विभिन्न विभागों की ओर इ लगाई गई विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ कर सभी स्टालों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने चाकलेट देकर बच्चों को बाल दिवस की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सांस्कृतिक मेला हमारी विलुप्त होती लोक विरासत को संरक्षण प्रदान कर रहा है और आने वाली पीढ़ी को हमारी लोक संस्कृति से परिचित कराने का कार्य भी कर रहा है।

80 बैठकों के बाद तैयार हुई ई-कॉमर्स पॉलिसी, ठगी से बचेंगे ग्राहक

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

केंद्र सरकार, बहुत जल्द देश में ई-कॉमर्स पॉलिसी एवं नियमों को लागू करने जा रही है। ई-कॉमर्स व्यापार के लिए काफी समय से लंबित पड़ी ई-कॉमर्स पॉलिसी एवं नियमों के घोषित होने का फायदा ग्राहकों और रिटेल व्यापारियों को पहुंचेगा। इस पॉलिसी को तैयार करने में लगभग दो वर्ष लगे हैं। वाणिज्य मंत्रालय एवं उपभोक्ता मामले मंत्रालय और सभी स्टेकहोल्डर्स के बीच लगभग 80 बैठकें हुई हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से हुई मुलाकात के बाद यह बात कही है। गोयल ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि उनके अमेरिका से लौटते ही देश में ई-कॉमर्स पॉलिसी एवं नियमों को लागू कर दिया जाएगा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री, इंडो पैसेफिक इकोनॉमिक फोरम की मीटिंग में भाग लेने के लिए 4 दिन की यात्रा पर अमेरिका गए हैं। वे 17 नवंबर को स्वदेश लौटेंगे। बतौर प्रवीण खंडेलवाल,

नियम

8 गोयल के अमेरिका से लौटते ही देश में ई-कॉमर्स पॉलिसी एवं नियमों को लागू कर दिया जाएगा

देश में लंबे समय से 'कैट' द्वारा ई-कॉमर्स पॉलिसी एवं उपभोक्ता कानून के अंतर्गत नियमों को लागू करने की मांग की जा रही है। इसके पीछे ई-कॉमर्स बाजार में समानता की प्रतिस्पर्धा का माहौल तैयार करना है। अंतिम पड़ाव तक पहुंचने के लिए वाणिज्य मंत्रालय एवं उपभोक्ता मामले मंत्रालय की सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ लगभग 80 बैठकों में विस्तृत बातचीत हुई है। गत दो अगस्त को वाणिज्य मंत्रालय में हुई एक मीटिंग में सभी स्टेकहोल्डर्स के बीच पॉलिसी एवं नियमों के 6 मुख्य आधारों पर सहमति बनी थी। यह पहला मौका है, जब सरकार द्वारा किसी मुद्दे पर इतना व्यापक कंसल्टेशन किया गया है। मीटिंग में डीपीआईआईटी एवं उपभोक्ता मामलों के सचिवों के अलावा कैट, अमेजन, फ्लिपकार्ट, रिलायंस, टाटाक्लिक, मिशो, स्नैपडील व शिपरॉकेट आदि सहित दोनों मंत्रालयों के अनेक वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

अडाणी एनर्जी के एडवाइजर केंद्र की समिति में

साधा निशाना

8 इसी समिति ने अडाणी के 6 प्रोजेक्ट पास किए थे; उद्धव गुट बोला- दोस्ती हो तो ऐसी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी रिन्यूएबल एनर्जी की कंपनियों में से एक है। इसका मौजूदा प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो 20,434 मेगावॉट है। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के एडवाइजर जनार्दन चौधरी को मोदी सरकार ने एक्सपर्ट अप्रेजल कमेटी का मेंबर बनाया है।

पर्यावरण मंत्रालय के अंतर्गत काम करती है। इस पर शिवसेना (उद्धव गुट,) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा- दोस्ती हो तो ऐसी। एअउ ने अडाणी के 10 हजार 300 मेगावॉट के 6 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। प्रियंका ने ये भी कहा- एक्सपर्ट अप्रेजल कमेटी के एक मेंबर में सलाहकार हैं। एअउ के अन्य सदस्य कौन हैं? कमेटी के सदस्यों में से केवल एक निजी कंपनी के सलाहकार और आश्चर्यजनक रूप से काम करते हैं। 'अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के कई प्रोजेक्ट्स आए थे, जिनमें 850 मेगावॉट का रायवाड़ा (आंध्र प्रदेश), 1800 मेगावॉट का पेदाकोटा (आंध्र प्रदेश), 2100 मेगावॉट का पटगांव (महाराष्ट्र), 2450 मेगावॉट का कोयना-निवकाने (महाराष्ट्र), 1500 मेगावॉट का माल्शेज घाट भोरांडे (महाराष्ट्र), 1500 मेगावॉट का तराली (महाराष्ट्र) की परियोजनाएं 17 अक्टूबर को पास कर दी गईं।' पर्यावरण मंत्रालय के पोर्टल परिवेश के मुताबिक, पुनर्गठित एक्सपर्ट अप्रेजल कमेटी की पहली बैठक 17-18 अक्टूबर को हुई थी।

'मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने पर न्यूनतम छह महीने की सजा मिले'

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

संसदीय समिति ने सलाह दी है कि मिलावटी पदार्थ बेचने के दोषी को न्यूनतम छह महीने की सजा मिलनी चाहिए। साथ ही समिति ने 25 हजार रुपये जुर्माना लगाने की भी सलाह दी है। भाजपा सांसद बृजलाल की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति ने कहा है कि मिलावटी खाने का लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ता है और इसके लिए जो सजा का मौजूदा प्रावधान है वह अपर्याप्त है।

समिति ने दी सजा बढ़ाने की सलाहः समिति का कहना है कि

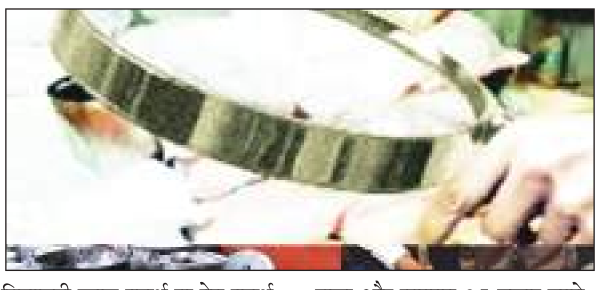

मिलावटी खाद्य पदार्थ या पेय पदार्थ जनता को व्यापक रूप से नुकसान पहुंचाते हैं लेकिन इसके लिए दी जाने वाली सजा नाकाफी है। संसदीय समिति ने मिलावट के दोषी को न्यूनतम छह महीने जेल की सजा और न्यूनतम 25 हजार रुपये जुर्माना लगाने की सलाह दी है। बता दें कि मौजूदा कानून के तहत मिलावटी खाना बेचने की सजा अधिकतम छह महीने या एक हजार रुपये का जुर्माना या दोनों है। बता दें कि संसदीय समिति ने भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम विधेयकों के ड्राफ्ट का विश्लेषण किया और उसमें जरूरी बदलाव के लिए सुझाव दिए।

सुझाव

8 नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम विधेयकों के ड्राफ्ट का विश्लेषण किया

भारतीय सीमा में घुसे म्यामांर के 2000 नागरिक

टीम एक्शन इंडिया/आइजोल

म्यांमार के चिन राज्य में एयरस्ट्राइक और जबरदस्त गोलीबारी की वजह से पड़ोसी मुल्क से लगभग 2000 से अधिक लोग मिजोरम में दाखिल हो गए।

ये सभी लोग पिछले 24 घंटों में सीमा पार करते हुए मिजोरम में दाखिल हुए। चम्फाई जिले के डिप्टी कमिश्नर जेम्स लालरिंचन ने एएनआई को बताया कि ये सभी लोग ताजा हवाई हमलों के बीच म्यांमार से 2000 से अधिक लो मिजोरम के चम्फाई जिले में प्रवेश कर गए हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सेना और पीडीएफ के बीच हुई जबरदस्त गोलीबारी

वहीं, जेम्स लालरिंचन ने आगे जानकारी दी कि म्यांमार की सत्तारूढ़ जुंटा समर्थित सेना और मिलिशिया समूह पीपुल्स डिफेंस फोर्स के बीच भीषण गोलीबारी हुई।

स्वामी प्रसाद के खिलाफ लखनऊ में शिकायत दर्ज

लखनऊः सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के लगातार सनातन धर्म के खिलाफ बयानबाजी से आक्रोशित अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए हजरतगंज थाने पहुंचे। उनका कहना था कि सनातन धर्म और उसके हिन्दू देवी देवताओं का अपमान करने पर सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, जिसके लिए हजरतगंज इंस्पेक्टर से मिलकर लिखित शिकायत की है। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने बताया कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार हिंदू धर्म के खिलाफ गलत बोल रहे हैं।

सिफारिश रिपोर्ट में यह भी तर्क दिया गया है कि संशोधित व्यभिचार कानून को इसे जेंडर न्यूट्रल अपराध माना जाना चाहिए

एडल्ट्री को फिर से अपराध बनाया जाएः संसदीय पैनल

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

शादीशुदा महिला/पुरुष के किसी दूसरे से संबंध बनाने (एडल्ट्री या व्यभिचार) को फिर से अपराध बनाया जाना चाहिए, क्योंकि विवाह पवित्र परंपरा है, इसे बचाना चाहिए। एक संसदीय पैनल ने मंगलवार को भारतीय न्याय संहिता विधेयक पर अपनी रिपोर्ट में सरकार से यह सिफारिश की है। रिपोर्ट में यह भी तर्क दिया गया है कि संशोधित व्यभिचार कानून को इसे जेंडर न्यूट्रल अपराध माना जाना चाहिए। इसके लिए पुरुष और महिला को समान रूप से उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए।

पैनल की रिपोर्ट को अगर सरकार मंजूर कर लेती है तो यह सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय बेंच के 2018 में दिए उस ऐतिहासिक फैसले के विपरीत होगी, जिसमें कहा गया था कि व्यभिचार अपराध नहीं हो सकता और न ही होना चाहिए।

रिपोर्ट

8 कुछ विपक्षी सदस्यों की दलीलों को ध्यान में रखते हुए समिति ने ड्राफ्ट पर और अध्ययन के लिए समय मांगा था

विपक्षी सदस्यों ने पढ़ने के लिए समय मांगा थाः यह कमेटी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सितंबर में संसद में पेश किए भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और एविडेंस एक्ट की जगह लेने वाले तीन विधेयकों पर विचार के लिए बनी है। 27 अक्टूबर को संसदीय समिति की बैठक हुई थी, लेकिन ड्राफ्ट रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया।

कुछ विपक्षी सदस्यों की दलीलों को ध्यान में रखते हुए समिति ने ड्राफ्ट पर और अध्ययन के लिए समय मांगा था। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम समेत कुछ विपक्षी सदस्यों ने कमेटी के अध्यक्ष बृजलाल से डॉफ्ट पर फैसला लेने के लिए दिए गए समय को तीन महीने बढ़ाने का आग्रह किया था। सदस्यों ने कहा कि चुनावी लाभ के लिए इन विधेयकों को उछालना सही नहीं है।

बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं: राज्यपाल

बाल दिवस

8 राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने हिम ज्योति स्कूल की बच्चियों के साथ बाल दिवस मनाया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने हिम ज्योति स्कूल की बच्चियों के साथ बाल दिवस मनाया। इस दौरान बच्चों के साथ संवाद करते हुए कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं।
मंगलवार को राजभवन में आईं हिम ज्योति स्कूल की बच्चियों से मुलाकात कर राज्यपाल ने उन्हें बाल दिवस की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने बच्चियों से संवाद करते हुए उनके उज्वल भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद दिया। राज्यपाल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में हमेशा बड़ा लक्ष्य रखें और उसे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास, आत्मानुशासन किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई विशिष्ट प्रतिभा छुपी होती है स्वंय को पहचानकर उसी क्षेत्र में आगे बढ़ना जरूरी है। उन्होंने बच्चों से सुबह हमेशा जल्दी उठने की आदत और खुश रहने को कहा।
राज्यपाल ने कहा कि बच्चों को बेहतर भविष्य के लिए बच्चों को अच्छी शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य दिया जाना हमारी जिम्मेदारी है। भारत में बच्चे और युवा सर्वाधिक हैं इस दृष्टि से यह जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनको आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। राज्यपाल ने विश्वास जताया कि भविष्य का भारत हमारे बच्चों और युवाओं के नेतृत्व में नई ऊँचाइयों को छुएगा। इस दौरान राज्यपाल की धर्मपत्नी गुरमीत कौर, स्कूल के ट्रस्टी हेमंत के अरोड़ा, प्रधानाध्यापिका रूमा मल्होत्रा मौजूद रहीं।

रॉकेट की चिंगारी से 3 मंजिला घर में लगी आग, लाखों का नुकसान

काबू

8 सूचना मिलने पर पहुंचे अग्निशमन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया।

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
सोमवार मध्य रात्रि नगर के मल्लीताल में फायर ब्रिगेड से करीब 100 मीटर दूर स्थित बेकरी कंपाउंड स्थित एक तीन मंजिला घर में आग लग गयी। सूचना मिलने पर पहुंचे अग्निशमन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि आग दीपावली पर जलाये गये रॉकेट की चिंगारी से लगी। आग लगने से घर में लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया।
अग्निशमन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार रात्रि 12.38 बजे फायर स्टेशन नैनीताल को सूचना प्राप्त हुई कि राम किशोर बेदी पुत्र नत्थू लाल निवासी बेकरी कंपाउंड मल्लीताल नैनीताल के मकान मे आग लगी है।
इस सूचना पर अग्निशमन अधिकारी किशोर उपाध्याय के नेतृत्व मे फायर यूनिटे घटना स्थल पर पहुंची तो देखा कि एक आवाशीय मकान के प्रथम तल पर भयानक आग लगी थी। घटना स्थल तक पहुंच मार्ग भी काफी संकरा था। इस कारण अग्निशमन कर्मियों ने बमुश्किल 4 हॉज पाइपों को फैलाकर कड़ी मशक्कत कर फायर टेंडरों से लगातार पंपिंग कर आग को बूझाकर शांत किया।
अग्निशमन दल की त्वरित कार्यवाही से मकान के भूतल एवं पड़ोस के अन्य मकान को सुरक्षित बचा लिया गया और घटना मे किसी भी प्रकार की जन हानि नहीं हुई।
अलबत्ता आग से घर मे रखा काफी सामान जलकर नष्ट हुआ। जल संस्थान से काफी संपर्क करने एवं उनका पंप चलने के उपरांत घटना स्थल के निकटस्थ फायर हाइडेंट का भी प्रयोग किया गया। आग बुझाने में अग्निशमन दल प्रकाश कांडपाल, उमेश कुमार, अमरदीप सिंह, कश्मीर सिंह, जसवीर सिंह, मोहन सिंह, कुलदीप कुमार, दिनेश सिंह, रवि आर्य, मो. उमर व राजेंद्र सिंह आदि कर्मियों ने भी योगदान दिया।

न्यूज फ्लैश

सृष्टि के संचालन में मातृशक्ति का अपूर्णीय योगदान : विज्ञानानंद

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
गीता ज्ञान के मनीषी शतायु संत महामंडलेश्वर स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती महाराज ने कहा है कि सृष्टि के संचालन में मातृशक्ति का अपूर्णनीय योगदान है, और सृष्टि की संरचना तब तक ही सुरक्षित है जब तक मातृशक्ति का सम्मान है। वे आज विष्णु गार्डन स्थित श्रीगीता विज्ञान आश्रम में गोवर्धन पूजा के अवसर पर आयोजित अन्नकूट समारोह में पधारे भक्तों को आशीर्वचन दे रहे थे।
विश्व की अधिकांश भाषाओं में अनुवादित गीता को भगवान श्रीकृष्ण की वाणी बताते हुए उन्होंने कहा कि गीता व्यक्ति को कर्मयोग की शिक्षा देती है और मानव जीवन में कर्म ही प्रधान है, कर्म करने से ही व्यक्ति के भाग्य की रेखाएं बदल जाती हैं। गीता के उपदेशों को वैज्ञानिकता से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि सृष्टि के रचनाकाल में मंत्र सृष्टि से मानव जीवन का विकास होता था, भगवान श्रीराम हों या माता सीता सभी का प्रादुर्भाव मंत्र सृष्टि से ही हुआ, जबकि सतयुग में ही मनु और शतरूपा से मैथुन सृष्टि का प्रादुर्भाव हो चुका था।
मंत्र सृष्टि एवं मैथुन सृष्टि के तुलनात्मक स्वरूप की व्याख्या करते हुए सन्यास परंपरा के अनुभवी संत ने कहा कि मंत्र सृष्टि से उत्पन्न हुई संताने मानवता की प्रतिमूर्ति थीं, जबकि मैथुन सृष्टि विसंगति प्रधान बनती जा रही है। सृष्टि के गौरवशाली अतीत को वर्तमान से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि दुराचारी और दुष्प्रवृति वाले सदाचारी की तुलना में पहले भी शक्तिशाली होते थे और आज भी हैं। पहले भी दुष्टों का दलन करने के लिए देवता देवियों की शरण में जाते थे और आज भी इस सृष्टि से दुराचरण, आनाचार, भ्रष्टाचार और व्यभिचार को समाप्त करने के लिए मातृशक्ति को ही आगे आना होगा।

पतंजलि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 18 नवंबर से

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पतंजलि विश्वविद्यालय, केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन), नई दिल्ली और एनआईएन पुणे हरिद्वार, उत्तराखंड में छठे प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का आयोजन करने जा रहे हैं।
इस अवसर पर सीसीआरवाईएन तथा पतंजलि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में नैचुरोपैथी फॉर हॉलिस्टिक हेल्थ (समग्र स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक चिकित्सा) विषय पर 18 व 19 नवंबर को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भी आयोजन किया जा रहा है। उक्त सम्मेलन पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार के सभागार में होगा।
पतंजलि योगपीठ, सीसीआरवाईएन, एनआईएन और विश्व प्राकृतिक चिकित्सा महासंघ के सहयोग से दूसरी बार प्राकृतिक चिकित्सा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनह्न का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन में देश-विदेश के छात्र, शिक्षक, शोधकर्ता, व्यवसायी और शिक्षाविद प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में अवसरों और चुनौतियों पर विचार-विमर्श करेंगे और इस क्षेत्र के विकास की नई राह तलाशेंगे।
सम्मेलन में कार्यात्मक खाद्य पदार्थ, प्राकृतिक चिकित्सा पोषण, स्पा, सार्वजनिक स्वास्थ्य में प्राकृतिक चिकित्सा, खाद्य पदार्थों के औषधीय मूल्य, गट माइक्रोबायोम और डिस्बिओसिस, प्राकृतिक चिकित्सा अवधारणाओं के लिए वैज्ञानिक आधार आदि विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही सम्मेलन में युवा शोधकताओं के लिए सेंटर फॉर क्रॉनिक डिजीज कंट्रोल, नई दिल्ली द्वारा अनुसंधान पद्धति पर एक कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी।
प्राकृतिक चिकित्सा औषधि रहित व दुष्प्रभाव रहित निरापद चिकित्सा प्रणाली है, जिसके माध्यम से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य सहजता से प्राप्त किया जा सकता है।
गौरतलब है कि प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा भारत सरकार के आयुष (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) मंत्रालय प्रत्येक वर्ष 18 नवंबर को प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री धामी ने की गायों की पूजा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को गोवर्धन पूजा के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में गायों की पूजा की। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की।

गंगोत्री धाम के कपाट शीतकालीन के लिए हुए बंद

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
विश्व प्रसिद्ध श्री गंगोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद हो गये हैं। अन्नकूट के पावन पर्व पर अपराह्न 11:45 बजे वैदिक मंत्रोच्चार पूजा-अर्चना के साथ विधि-विधान से शीतकाल के लिए बंद हो गए।
उत्तराखंड के चार धामों में प्रसिद्ध श्री गंगोत्री धाम के कपाट मंगलवार को अन्नकूट के पावन पर्व पर 11: 45 बजे वैदिक मंत्रोच्चार पूजा-अर्चना के साथ विधि-विधान से शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने।
इसके बाद मां गंगा की उत्सव डोली समारोहपूर्वक जयकारों के साथ मुखबा गांव के लिए रवाना हुई। मां गंगा का रात्रि विश्राम आज मां चंडी देवी मंदिर में होगा। कल मां गंगा की उत्सव डोली भैया दूज के पर्व पर अपने मायके मुखबा (मुखीमठ) पहुंचेगी। शीतकाल में मां गंगा के शीतकालीन प्रवास मुखबा स्थित गंगा मंदिर में पूजा-अर्चना होगी। इस यात्रा वर्ष 9 लाख 98 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मां गंगा के दर्शन किए.इस अवसर पर गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, गंगोत्री मंदिर समिति के रावल हरीश सेमवाल, सचिव सुरेश सेमवाल, राजेश सेमवाल सहित तीर्थपुरोहित, जन प्रतिनिधिगण एवं श्रद्धालुजन मौजूद रहे।

मंत्री जोशी ने छात्र को किया सम्मानित

सम्मानित

8 रांची में फुटबाल खेल के दौरान आयुष बिष्ट ने 8 गोल मारे थे और उन्हें गोल्ड मेडल दिया गया था

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मंत्री गणेश जोशी ने बाल दिवस के अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय अपर कैम्प में नौवीं के छात्र आयुष बिष्ट की ओर से फुटबाल में राष्ट्रीय स्तर पर फाइनल में गोल्ड मेडल प्राप्त होने पर सम्मानित किया।
गौरतलब है कि 08 नवम्बर से 11 नम्वबर तक रांची में आयोजित फुटबाल खेल के दौरान आयुष बिष्ट ने 8 गोल मारे थे और टीम को जीत के बाद उन्हें गोल्ड मेडल दिया गया था। आयुष के पिता पंकज बिष्ट भारतीय सेना के 15 गढ़वाल राइफल्स में नायब सूबेदार के पद पर तैनात हैं।
इस मौके पर भाजपा मण्डल अध्यक्ष प्रदीप रावत, आरएस परिहार, सुरेन्द्र राणा, पूनम नौटियाल, निरंजन डोभाल, डा. बबीता सहौत्रा, मंजीत रावत, मोहन बहुगुणा, कुलदीप रावत, राकेश रावत, लारा रावत, पंकज बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

मां की डांट से नाराज घर से गई नाबालिग सकुशल बरामद

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
मां की डांट से नाराज होकर घर से गई नाबालिग को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने नाबालिग को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। नाबालिग के सकुशल बरामद होने पर परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।
दीपावली से एक दिन पूर्व लक्सर कोतवाली क्षेत्र स्थित केशव नगर सोसाइटी रोड लक्सर निवासी अलका पत्नी अनुज ने अपनी 14 साल की नाबालिग बेटी के घर से लापता होने की 11 नवम्बर को पुलिस को सूचना दी।

ऑटो विक्रम पर किया था हाथ साफ, दो आरोपित गिरफ्तार

चालान

8 पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
सिडकुल थाना क्षेत्र से आटो विक्रम चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर आटो विक्रम बरामद कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।
भूपेन्द्र सिंह पुत्र होशियार सिंह निवासी टांडा माईदास थाना नगीना देहात हाल निवासी डैन्सो चौक सिडकुल हरिद्वार का घर के बाहर खड़ा आटो विक्रम संख्या यूके 14 टीए 0777 13 नवम्बर को चोरी कर लिया। इस संबंध में पीड़ित ने थाना सिड़कुल में तहरीर देकर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।
पुलिस ने मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को चोरी किए विक्रम के साथ धर दबोचा। आरोपितों के नाम अंकित पुत्र सुशील कुमार निवासी ग्राम दारानगर थाना कोतवाली नगर बिजनौर, जिला बिजनौर उ.प्र. व नरेश सिंह पुत्र हेतराम सिंह निवासी मोहल्ला छोटा पुरिया ग्राम स्माऊ थाना चांदपुर जिला बिजनौर उ.प्र. बताए गए हैं।

गौवंश तस्करी कर रहे पांच लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
गौ वंश की तस्करी कर रहे पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करों के चंगुल से पांच गौ वश भी छुड़ाए। पुलिस ने कपड़े गए सभी आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।
जनपद के झबरेड़ा थाना पुलिस को गौ तस्करी की मुखबिर से सूचना मिली। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चैकिंग अभियान चलाया और वीरपुर बार्डर से गैर राज्य से 02 छोटे हाथियों में क्रूरता पूर्वक बिना अनुमति लाये जा रहे 05 जिंदा गौवंश को कब्जे में लिया। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के नाम नसीर पुत्र मुस्तकीम, जिला हरिद्वार, गुलशेर पुत्र शरीफ, इस्लाम पुत्र वजीद, वसीम पुत्र मुस्तकीम व परवेज पुत्र असलम निवासीगण मोहम्मदपुर कुन्हारी थाना लक्सर जिला हरिद्वार बताए गए हैं। पुलिस ने इस मामले में दो छोटा हाथी वाहन भी बरामद किए हैं।

आखिर बिना सेफ्टी ऑडिट के कैसे निर्मित हो रही हैं उत्तराखंड में सुरंगें?

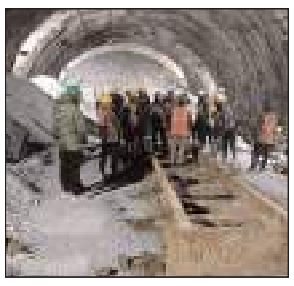

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
बीते रविवार को यमुनोत्री हाइवे पर सिलक्यारा सुरंग के धंसने की घटना ने उत्तराखंड में निमार्णाधीन चार धाम परियोजना और अन्य सड़क निर्माण कार्यों की सुरक्षा मानकों को सवालों के घेरे में ला दिया है। इसको लेकर शासन भी उलझन में दिखाई दे रहा है।
एक ओर निर्माण कार्यों में सुरक्षा की अनदेखी हो रही है तो दूसरी ओर यह तथ्य भी सामने आया है कि उच्च हिमालयी क्षेत्र में निर्माण कार्य शुरू करने से पहले आवश्यक तकनीकी और भूगर्भीय सर्वे नहीं किया जा रहा है या फिर सुरंग निर्माण की गुणवत्ता को परखा नहीं जाता है, जिससे इस तरह की दुर्घटनाएं हो रही हैं।
सिलक्यारा टनल धंसने की घटना पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष राणा ने बताया कि कम्पनी ने सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किये थे। उनका कहना है कि उन्होंने रविवार को खासकर दिवाली के दिन निर्माण कार्य किये जाने पर भी सवाल खड़ा किया है। इसमें मशीन फंस गई थी।
आरोप है कि इस मशीन को निकालने के लिए दूसरी टनल बनाई गई तो उसमें अवैज्ञानिक तरीके अपनाए गए। बताया जाता है कि टनल के अवैज्ञानिक तरीके से निर्माण के कारण ही जोशीमठ दरकने लगा और जमीन धंसने लगी थी। इस घटना के बाद धामी सरकार ने हिमालय क्षेत्र के सभी शहरों की कैरिंग कैपेसिटी की जांच के आदेश दिये थे, लेकिन भूस्खलन के लिए जिम्मेदार सबसे बड़ी वजह यानी टनल निर्माण को लेकर किसी तरह के जांच की बात नहीं की गई।
सरकार के पास इसका भी आकड़ा नहीं है कि टनल के निर्माण से पहले संबंधित क्षेत्र का सेफ्टी ऑडिट होता है या नहीं। हिमालय के पहाड़ कच्चे हैं और यहां मामूली भूगर्भीय हलचल भी भूस्खलन पैदा कर सकता है। इस कारण टनल जैसे निर्माण कार्यों से पहले यह जांचना जरूरी होता है कि संबंधित क्षेत्र की भूगर्भीय संरचना टनल के निर्माण के लायक है या नहीं।
यदि विपक्ष के आरोपों को नजरअंदाज भी कर दिया जाए तो यह सच है कि उत्तराखंड में सुरंगों के लगातार धंसने की घटनाएं हो रही हैं। इसी वर्ष जनवरी में जब जोशीमठ के धंसने का मामला सामने आया तो तपोवन विष्णुगाड पावर प्रोजेक्ट के लिए निमार्णाधीन टनल को इसका जिम्मेदार माना गया। दरअसल, इस टनल में बोरिंग किया गया है। जांच में सब कुछ साफ हो जाएगा।
कुल मिलाकर यदि टनल के निर्माण के साथ ही ह्यूम पाइप भी साथ चलती है। यदि भूस्खलन जैसी कोई स्थिति पैदा होती है तो मजदूर उसके माध्यम से सुरक्षित बाहर निकल जाते हैं। उन्होंने कम्पनी पर आरोप लगाया है कि मजदूरों की सुरक्षा की अनदेखी की गई है।
आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत सिन्हा ने भी माना है कि सेफ्टी ऑडिट जरूर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चारधाम परियोजना से जुड़े निर्माण कार्यों में ऐसा हुआ है या नहीं, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। जहां तक यमुनोत्री मार्ग पर सुरंग धंसने का मामला है तो इसके लिए तकनीकी समिति को मौके पर भेजा गया है।

असम के मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी ने बाबा केदार के दरबार में टेका मत्था

केदारनाथ धाम/टीम एक्शन इंडिया
पूर्वोत्तर राज्य असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की धर्मपत्नी रिनकी भुइंया सरमा और अन्य पारिवारिक जनों ने आज भगवान केदारनाथ के दर्शन किये।
ये सभी लोग मंगलवार दोपहर को बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय के साथ हेलीकॉप्टर से केदारनाथ धाम पहुंचे। जहां अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने अतिथियों का स्वागत किया। बाबा केदारनाथ मंदिर दर्शनों के पश्चात उन्हें भगवान केदारनाथ का प्रसाद भेंट किया गया।असम के मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी और परिजन आज केदारनाथ धाम में प्रवास करेंगे और बुधवार को कपाट बंद के अवसर पर मौजूद रहेंगे। वे लोग कल प्रातःकपाट बंद होने और पंचमुखी डोली प्रस्थान के पश्चात बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय के साथ बदरीनाथ धाम दर्शन के लिए पहुंचेंगे।

मेले हमारे जीवन में इंद्रधनुषी रंगों की तरह हैं : मुख्यमंत्री धामी

सांस्कृतिक मेला

8 -सात दिवसीय गोचर मेले का हुआ भव्य आगाज, -गौचर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को उच्चीकृत करने की घोषणा

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के गोचर में 71वां सात दिवसीय राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक मेला रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शुरू हो गया है। इस मेले का उद्घाटन करते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मेले हमारे जीवन में इंद्रधनुषी रंगों की तरह हैं और जीवन में ताजगी और उत्साह भर देते हैं।
मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि ने प्राचीन समय में जब संचार और परिवहन की कोई ऐसी सुविधाएं नहीं थीं, तो इन मेलों ने सामाजिक ताने-बाने को बुनने में बहुत मदद की और लोगों का सामाजिक और व्यावहारिक दायरा बढ़ाया। गौचर मेला संस्कृति, बाजार तथा उद्योग तीनों के समन्वय के कारण हमारे राज्य का एक प्रसिद्ध राजकीय मेला है। उन्होंने मेले को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप देने के लिए जिला प्रशासन की सराहना भी की।
मुख्यमंत्री ने जनसभा में कहा कि औद्योगिक विकास के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए रोड कनेक्टिविटी, रेल कनेक्टिविटी, रोपवे कनेक्टिविटी, हवाई कनेक्टिविटी सहित ऊर्जा एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में विशेष कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश में चारधाम सड़क परियोजना, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन का निर्माण और निमार्णाधीन रोपवे परियोजनाएं इस बात का उदाहरण हैं। राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के विकास के लिए तत्पर हैं।
उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाने का ह्यह्यविकल्प रहित संकल्पह्यह्य के साथ कार्य किये जा रहे हैं। इस संकल्प के कुछ पड़ाव हमने पार कर लिए हैं पर अभी बहुत काम करना बाकी हैं।
मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने अंत्योदय परिवारों को तीन गैस सिलेंडर देने, प्रदेश की महिलाओं के लिये 30 प्रतिशत के क्षैतिज आरक्षण, समान नागरिक संहिता, धर्मांतरण पर रोक के लिये कानून और सख्त नकल विरोधी कानून लागू करने का काम किया है।
राज्य आंदोलनकारियों व उनके आश्रितों को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए प्रदेश और प्रदेश का हित सर्वोपरि हैं। प्रदेश में किसी भी वर्ग का अहित नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने देवभूमि उत्तराखंड को देश का एक ह्यश्रेष्ठ राज्यह्य बनाने के लिए सभी के सहयोग और मार्गदर्शन करते रहने की बात कही।इस मौके पर मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पत्रकार राजपाल सिंह बिष्ट को गोविन्द प्रसाद नौटियाल पत्रकार सम्मान और ह्यविद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान, उत्तराखण्डह्ल को पंडित महेशानन्द नौटियाल शिक्षा और साहित्य प्रसार सम्मान से सम्मानित भी किया।
इससे पूर्व क्षेत्रीय विधायक अनिल नौटियाल एवं मेला उपाध्यक्ष अंजू बिष्ट ने गौचर मेले का शुभारंभ करने पर मुख्यमंत्री का स्वागत किया और मुख्यमंत्री को क्षेत्र की समस्या से अवगत कराते हुए समस्याओं के निदान के लिए मांग पत्र भी दिया।
गौचर मेले में पहले दिन रावल देवता की पूजा के बाद प्रातः स्कूली बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली।
मेलाध्यक्ष/जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने झंडारोहण कर मार्चपास की सलामी ली गई। गौचर मेला मुख्य द्वार से चटवापीपल पुल तक एवं वापसी उसी रूट से होते हुए मुख्य मेला द्वार तक क्रास कण्ट्री दौड़ का आयोजन किया गया।खेल मैदान में बालक एवं बालिकाओं की दौड़, नेहरू चित्रकला प्रतियोगिता, शिशु प्रदर्शनी और शिक्षण संस्थाओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।
मेले के उद्घाटन के अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, सांसद अजय टम्टा, कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, रुद्रप्रयाग विधायक भरत चैधरी, राज्य मंत्री रमेश गडिया, पूर्व विधायक मुन्नी देवी शाह, कर्णप्रयाग ब्लाक प्रमुख/मेला उपाध्यक्ष चन्द्रेश्वरी देवी, गौचर नगर पालिका अध्यक्ष/मेला उपाध्यक्ष अंजू बिष्ट, जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव, मुख्य विकास अधिकारी डा.ललित नारायण मिश्र, एडीएम डा.अभिषेक त्रिपाठी, मेलाधिकारी संतोष कुमार पांडेय, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह देव आदि मौजूद थे।

महर्षि की आध्यात्मिक 84 कुटी में बीटल्स को मैप पर लाने के लिए म्यूजियम की स्थापना की जाएगी

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
जनपद पौड़ी गढ़वाल के अंतर्गत महर्षि महेश योगी की आध्यात्मिक 84 कुटी के विकास के साथ भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में बीटल्स के भावातीत अध्यात्म व संगीत को पहुंचाए जाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मैप पर लाने के प्रयास के चलते म्यूजियम की स्थापना की जाएगी।
यह जानकारी पौड़ी के जिला अधिकारी आशीष चौहान ने मंगलवार को मुनि की रेती स्थित गंगा रिजॉर्ट में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि बीटल्स ने महर्षि महेश योगी की 84 कुटिया में बैठकर लगभग 14 गीतों की रचना की थी। जो देश दुनिया में काफी प्रचलित हुए हैं,
जिनके प्रति आज भी विदेशों में काफी आकर्षक देखा जा रहा है ,उन्होंने कहा कि जल्दी ही प्रशासन की ओर से स्वर्ग आश्रम क्षेत्र में एक म्यूजियम के साथ आर्ट गैलरी का निर्माण भी किया जाएगा।
उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से नीलकंठ क्षेत्र में मास्टर प्लान के अंतर्गत मल्टी स्टोरी पार्किंग के साथ विकास कार्यों को गतिविधि जाएगी, जिसका प्रस्ताव शासन को भेजा गया है ।
आशीष चौहान ने यह भी बताया कि नीलकंठ क्षेत्र में जल्द ही रोपवे के निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो जाएंगा जिसकी सभी तैयारियां कर ली गई हैं।

तीर्थ नगरी के आश्रमों, मंदिरों में धूमधाम के साथ छप्पन प्रकार का भोग लगाकर की पूजा

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
तीर्थ नगरी के सभी आश्रमों मंदिरों में धूमधाम के साथ छप्पन प्रकार के भोग प्रसाद का भोग लगाकर गोवर्धन की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई।
मंगलवार की सुबह से ही मंदिरों में गोवर्धन की पूजा अर्चना का सिलसिला भजन कीर्तन के साथ प्रारंभ हो गया था। इस दौरान श्री जय राम आश्रम के पीठाधीश्वर ब्रह्म स्वरूप ब्रह्मचारी, के संचालन में गोवर्धन के साथ भगवान श्री कृष्ण की विधि विधान से पंडित मायाराम शास्त्री की देखरेख में पूजा अर्चना की गई।

अमोल डोभाल बने भाजपा खेलकूद प्रकोष्ठ के संयोजक

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
कैनाल रोड निवासी अमोल डोभाल को भारतीय जनता पार्टी द्वारा खेलकूद प्रकोष्ठ का प्रदेश संयोजक मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने हार्दिक बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।
मंगलवार को इस अवसर पर कृषि मंत्री ने कहा कि यह पहला अवसर होगा जब एशियन गैम्स को भारत को 100 से अधिक मैडल मिले है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री स्वयं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हैं और खेलकूद उनके लिए अहम और बहुत महत्वपूर्ण होता है। गणेश जोशी ने नवनियुक्त प्रदेश संयोजक को बधाई देते हुए कहा कि आपके साथ जहां खेल जगत के लोग जुड़ेगे वही युवाओं को भी आपका लाभ मिलेगा।

अमोल डोभाल का खेलों के प्रति अहम योगदान रहा है।
इस अवसर पर बीजेपी मण्डल अध्यक्ष प्रदीप रावत, आरएस परिहार, सुरेन्द्र राणा, पूनम नौटियाल, निरंजन डोभाल, डा. बबीता सहौत्रा, मंजीत रावत, मोहन बहुगुणा, सिकन्दर सिंह, अमित, भावना, योगेश, संजय, कमल, सोनू आदि उपस्थित थे।

न्यूज फ्लैश

नशे में धुत डीसीएम चालक ने कार में मारी टक्कर, युवती घायल

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
शराब के नशे में धुत्त एक डीसीएम चालक ने सामने से आ रही एसयूवी 300 कार में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार में सवार एक युवती गंभीर रूप से घायल हुई है। एक बाइक सवार भी चपेट में आकर घायल हुआ हैं। बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। मामले की जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने चालक को अपनी हिरासत में लिया है।
मंगलवार की दोपहर डीसीएम टोयोटा नम्बर डीएल-1 एलडब्ल्यू 3320 दिल्ली की ओर से रुड़की की तरफ आ रहा था। वहीं रुड़की से मुज्जफरनगर की ओर अपनी बेटी के साथ एसयूवी 300 नम्बर यूके 17 पी 2288 कार में सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान मंगलौर गुड मंडी गेट के सामने जैसे ही कार सवार पहुंचे तो इसी बीच सामने से आ रहे डीसीएम ने कार में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार में सवार युवती गंभीर रूप से घायल हो गई।
बताया गया है कि जिस समय डीसीएम ने कार में टक्कर मारी इसी दौरान कार के पीछे बाइक पर सवार दो युवक भी आ रहे थे, वह भी चपेट में आकर घायल हो गए हैं। आसपास के लोगों ने मामले की जानकारी मंगलौर कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस में घायल युवती को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

यथार्थ सुपर स्पेशलिटी अस्पताल नोएडा में रीढ़ के टेढ़ापन का सफल इलाज

देहरादून। नोएडा के सेक्टर 110 स्थित यथार्थ सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में रीढ़ के टेढ़ेपन (स्कोलियोसिस) से जुड़ा एक जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। इस केस को कामयाब बनाने में एडवांस तकनीक और डॉक्टरों की विशेषज्ञता ने अहम रोल निभाया। इसे के बारे में लोगों को बताने के लिए एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।
यथार्थ अस्पताल में स्पाइन एंड स्कोलियोसिस प्रोग्राम के हेड और सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर प्रांकुल सिंघल ने स्कोलियोसिस से पीड़ित कम उम्र के दो बच्चों के जटिल केस के बारे में बताया, जिनका सफल इलाज किया गया। रीढ़ को लेकर ये मिथक भी रहते हैं कि उसकी समस्याओं का इलाज नहीं किया जा सकता है।

कानून व्यवस्था पर कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम डीएम को दिया ज्ञापन

घोटाले

8 सरकार केवल डेंगू से हुई जनहानि को छुपाने में लगी रही। उसके बाद रजिस्ट्री घोटाले सामने आए

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में 09 नवम्बर को हुई बीस करोड़ की डकैती को राज्य सरकार की विफलता और लचर कानून व्यवस्था का परिणाम बताते हुए महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने राज्यपाल उत्तराखंड को जिलाधिकारी

देहरादून के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया।मंगलवार को जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि राज्य की राजधानी में और राजधानी के केंद्रीय क्षेत्र में जहां महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान अवस्थित हैं। राज्य की स्थापना दिवस के दिन और जिस दिन देश की राष्ट्रपति भी शहर में थीं, ऐसी डकैती की घटना स्पष्ट संकेत है कि भाजपा सरकार कर राज में न कानून व्यवस्था ठीक है न शासन- प्रशासन।
मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि राज्य में इन्वेस्टर समिट कराने जा रहे हैं, क्या डकैती की ऐसी घटना से वो निवेशकों को संदेश दे रहे हैं ?
छह दिन बाद भी पुलिस चोरों को पकड़ना तो दूर, उनके बारे में कुछ पता तक नहीं कर पाई है। विगत महीनों में पहले तो देहरादून शहर नें डेंगू की विकराल समस्या झेली। कई लोगों की असामयिक मृत्यु हुई। सरकार केवल डेंगू से हुई जनहानि को छुपाने में लगी रही। उसके बाद रजिस्ट्री घोटाले सामने आए और अब इतनी बड़ी डकैती का मामला, तो ऐसे में सरकारी तन्त्र की प्रभावी मौजूदगी कहीं नहीं दिखती और लोगों को उनके हाल पे छोड़ दिया गया है।
इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत प्रदेश ,महामंत्री मनीष नागपाल, उर्मिला थापा अभिषेक तिवारी,राजेश उनियाल, विकास पुंडीर, लकी राणा , सावित्री थापा ,पूनम कंडारी, आलोक मेहता, कासिर्फ जैदी, ललित बदरी ,राजेश पुंडीर, मुकीम अहमद ,जितेंद्र तनेजा ,अनुराग गुप्ता ,अल्ताफ अहमद ,आदर्श सूद ,वीरेंद्र पवार थापा आदि उपस्थित थे।

बदरी-केदार के दर्शन को पहुंचे निरंजनी अखाड़ा महामंडलेश्वर कैलाशानंद महाराज

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
निरंजनी अखाड़ा महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने आज भगवान बदरी विशाल एवं भगवान केदारनाथ के दर्शन किये।
उनके साथ अवंतिकानंद ब्रह्मचारी, पूर्व विधायक संगीत सोम, आचार्य पवन दत्त मिश्र सहित कई संत जन और शिष्यगण बदरी-केदार दर्शन को पहुंचे। आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद सहित संतगण प्रातः केदारनाथ धाम दर्शन को पहुंचे।

बदरीनाथधाम के कपाट बंद की प्रक्रिया के अंतर्गत पंच पूजा शुरू

बदरीनाथ

8 प्रातः मंदिर प्रांगण से गणेश की पूजा-अर्चना पश्चात श्री बदरीश पंचायत में विराजमान किया गया

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
बदरीनाथ धाम के कपाट 18 नवम्बर की शाम को बंद होने हैं। कपाट बंद की प्रक्रिया के तहत मंगलवार को गणेश मंदिर के कपाट शाम सात बजे बंद हो जायेंगे। प्रातः मंदिर प्रांगण से गणेश की पूजा-अर्चना पश्चात श्री बदरीश पंचायत में विराजमान

किया गया तीर्थयात्रियों ने दिनभर श्री गणेश के दर्शन किये।
इस अवसर पर रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी, बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति उपाध्यक्ष किशोर पंवार, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान, वेदपाठी रविन्द्र भट्ट, राजेंद्र सेमवाल मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़, केदार सिंह रावत, संजय थपलियाल, सतीश मैखुरी, राजेंद्र पुरोहित, हरेंद्र कोठारी आदि मौजूद रहे। मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि पंच पूजाओं के अंतर्गत दूसरे दिन बुधवार को आदि केदारेश्वर मंदिर के कपाट बंद होंगे।

गोप-ग्वालों संग की गई भगवान गोवर्धन की पूजा

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
प्रकृति के संरक्षण का संदेश देने का पर्व अन्नकूट महोत्सव गोवर्धन पूजा श्रद्धा व उल्लास के साथ तीर्थनगरी में मनाया गया। लोगों ने गाय के गोबर से निर्मित भगवान गोवर्धन की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।
हालांकि प्रतिपदा तिथि सोमवार दोपहर बाद आरम्भ हो गई थी। इस कारण कुछ लोगों ने सोमवार को भी गोवर्धन पूजा की, जो लोग सांयकाल गोवर्धन पूजन करते हैं, उनमें से अधिकांश ने बीते रोज पूजा अर्चना कर पर्व मनाया।
तीर्थनगरी में आज घरों व कई स्थानों पर सार्वजनिक रूप से गोवर्धन पूजन किया गया। इस दौरान भगवान को 56 भोग के साथ अन्नकूट का भोग लगाया गया तथा लोगों में प्रसाद वितरित किया। इसी के साथ गाय का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की।
मान्यता है कि आज ही के दिन इन्द्र के प्रकोप से गोकुलवासियों की रक्षा के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठा ऊंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाया था।
दोपावली के पंच पर्वों की श्रृंखला में गोवर्धन पूजन चौथे दिन मनाया जाता है तथा भाई दूज के पर्व के साथ पंच पर्वों की श्रृंखला समाप्त हो जाती है। गोवर्धन पूजा का उत्तर-मध्य भारत में विशेष महत्व माना गया है।
गोवर्धन पूजा के दिन महिलाएं

अपने घर के आंगन द्वार के समीप गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाती है, उसके आसपास ही गोबर के ही गौ, ग्वाल, खेत आदि बनाये जाते हैं। इस दिन अनेक प्रकार के पकवान भी बनाये जाते है।
गोवर्धन को पकवान चढ़ाकर उसकी पूरे विधिपूर्वक अर्चना की जाती है।भागवत पुराण के अनुसार गोवर्धन पूजा पर्व का प्रारंभ तब से हुआ जब द्वापर में गोकुल-वृंदावन क्षेत्र में दीपावली के दूसरे दिन देवों के देव इन्द्र की पूजा की जाती थी तब नटखट श्री कृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र की पूजा की तैयारी करते देखा तो उन्होंने पूछा कि आप लोग किसका पूजन करने की तैयारी कर रहे हैं। इस पर ब्रजवासियों ने उन्हें बताया कि देवराज इंद्र की पूजा कर रहे हैं। इंद्र हमें जल देता है, हमारी प्यास और हमारे खेतों में फसल उन्ही के आशीर्वाद से लहलहाती हैं। इसलिये हम सभी उसी जल देवता इंद्र की पूजा करते हैं।
इस पर अपना विरोध प्रगट करते हुए श्री कृष्ण कहते हैं कि गोवर्धन पर्वत हमारी रक्षा करता है।

अब नैनीताल में ले सकेंगे रंग-बिरंगे फूल-पौधों के बीच ग्लास हाउस में 'नर्सरी कैफे' का आनंद

पहचान

8 नगर के शेरवानी हिल टॉप रिजॉर्ट होटल की पहचान यहां वर्ष भर खिलने वाले रंग-बिरंगे फूलों के बाग के लिये भी होती है।

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
पर्यटन नगरी नैनीताल में अब सैलानियों के साथ आम लोग भी रंग-बिरंगे फूलों व पत्तों युक्त पौधों के ग्लास हाउस में बने ह्यनर्सरी कैफेह्ल में चाय-कॉफी के साथ नाश्ते का आनंद ले सकेंगे। यहां बर्थडे या किटी पार्टी जैसी छोटी पार्टियां भी हो सकेंगी।
खास बात यह है कि यह ह्यनर्सरी कैफेह्ल ह्यग्लास हाउसह्ल में यानी कांच के बने घर में बना है, इसलिये इसमें भीतर गर्म

तापमान में बैठकर बाहर की प्रकृति के भी अंदर बैठे, खासकर बर्फ पड़ने जैसी स्थिति में ऊपर से पड़ती बर्फ को खुद पर गिरने जैसा प्राकृतिक आनंद भी लिया जा सकता है।
गौरतलब है कि नगर के शेरवानी हिल टॉप रिजॉर्ट होटल की पहचान यहां वर्ष भर खिलने वाले रंग-बिरंगे फूलों के बाग के लिये भी होती है। अब इसी होटल में ह्यनर्सरी कैफेह्ल का नया आकर्षण आम लोगों के लिये उपलब्ध हो गया है। यहां होटल में रहने वाले सैलानियों के साथ आम लोग अब रंग-बिरंगे फूलों व पत्तों युक्त अंदर-बाहर तथा पहाड़-मैदान दोनों जगह उगने वाले फर्न, सकुलेंट, क्रांटन व पेनसुटिया आदि प्रजातियों के पौधों के साथ चाय-कॉफी व कांटिनेंटल नास्ते का आनंद ले सकते हैं।
होटल के महाप्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा ने बताया कि यहां आने वाले सैलानी इन फूल-पौधों को खरीद भी सकेंगे। इन पौधों की कीमत का 10 फीसद हिस्सा इन्हें उगाने वाले मालियों को दिया जायेगा।
बताया कि नर्सरी कैफे में सर्दी-गर्मी दोनों मौसम में अनुकूल तापमान बनाये रखने का प्रबंध भी है। इस नये कैफे के प्रति लोगों में खासा आकर्षण नजर आ रहा है।
इस मौके पर होटल के एमपीएस अधिकारी, दिनेश पालीवाल व जीवन बिष्ट के साथ शेफ मनोज कांडपाल व कालीदास आदि लोग भी मौजूद रहे।

संपादकीय

लोकतंत्र के सही परीक्षण की आवश्यकता

आजादी के 75 वे वर्ष के व्यतीत हो जाने के बाद स्वाधीनता एवं लोकतंत्र की आस्था का सही मूल्यांकन किया जाना चाहिए। हमें स्वतंत्रता अनथक मेहनत एवं खून पसीना बहाने के बाद प्राप्त हुई है। स्वाधीनता के बाद हमारे संवैधानिक इतिहास में लोकतंत्र की संरचना को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। इस महान लोकतंत्र की आस्था और विश्वास को हमें अनंत काल तक बनाए रखना है और इसके साथ ही स्वाधीनता को भी चिरकाल तक अस्मिता की तरह संजोए रखने की आवश्यकता है। जातिभेद, रंगभेद और सामाजिक कुरीतियों को नजरअंदाज कर लोकतंत्र की अंतर्निहित शक्ति को और ताकतवर बनाना है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत की सरकारें वर्ष 2022 तक यह प्रयास करती रही कि एक नवीन, मजबूत भारत का उदय हो, जहां अमीरी, गरीबी, जाति, संप्रदाय और सामान्य और दलित वर्ग भेद पूर्णता समाप्त हो जाए,पर भरसक प्रयास के बाद भी ऐसा हो नहीं पाया है' वर्तमान में भारत की सामाजिक आर्थिक विभिन्नता एवं विषमता देश के आर्थिक तथा वैश्विक छवि के लिए अवरोध साबित हो सकते हैं। देश में विभिन्न नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रीय संपत्ति की तोड़फोड़, आपसी असहमति में हत्याये देश के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे संकेत नहीं है। भारत को एक सशक्त आंतरिक नीति एवं सामाजिक सौहार्द्र की आवश्यकता है तब ही हम विकास के पथ पर आगे प्रशस्त हो सकते हैं। भारत की सफल विदेश नीति एक अच्छी नीति की शुरूआत है और विदेशों में भारत की एक अलग पहचान भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, पर केवल विदेश नीति से ही देश की 131 करोड़ जनता का पेट भरना और उसे विकास की राह में ले जाना मुमकिन नहीं है। देश की आवाम को सशक्त योजनाओं और आर्थिक तंत्र के मजबूत होने के साथ-साथ उत्पादन में आत्मनिर्भरता से ही मजबूत बनाया जा सकता है, तब जाकर देश की गरीबी एवं भूखमरी पर निजात पाई जा सकती है। धर्मनिरपेक्षता के मजबूत कंधों के सहारे देश को सांप्रदायिक सद्भाव के मार्ग पर ले जाने के साथ-साथ शांति और सौहार्द्र का वातावरण तैयार किया जा सकता है। देश में शांति सौहार्द और उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही विकास के सच्चे पैमाने हैं। पंचवर्षीय योजनाओं में लगातार गरीबी उन्मूलन, कृषि विकास की योजनाएं, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, स्कूली एवं कॉलेज की शिक्षा, स्वास्थ्य की तमाम परेशानियों को दूर करने के लिए बड़ी-बड़ी आर्थिक योजनाएं बनती रही हैं,पर न तो पूरी तरह योजनाओं में अमल हो पाया और ना ही भरपूर वित्तीय संसाधनों का सही-सही समुचित दोहन ही हो पाया' वैसे तो यह कल्पना की गई थी कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत की सरकारें ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देकर शहर तथा गांव की सरहदों को मिटाने का प्रयास करेगी, हमारा लोकतांत्रिक ढांचा इतना समावेशी और मजबूत नहीं हो पाया कि हम देश के संपूर्ण विकास के लिए कटिबद्ध हो पाए' संसद, विधायिका और कार्यपालिका में तालमेल की कमी के कारण भारत में विकास कल्पना के अनुरूप मूर्त रूप नहीं ले पाया' हमें नवीन भारत की संकल्पना के साथ-साथ गरीबी उन्मूलन प्रयास को बहुत सशक्त एवं दमदार बनाना होगा' केवल गरीबों को मुफ्त में अनाज देकर उनकी गरीबी दूर नहीं की जा सकती है' गरीबों को अनाज देने के साथ-साथ उनके हाथों को काम और आजीविका के साधन भी देने होंगे।

मध्य प्रदेश में नहीं चली मत वाली हवा

ऋतुपर्णा दवे

> अब कुछ भी हो अब इस चुनाव में और घोषणाओं का वक्त निकल गया है वरना संभव है कि प्रदेश में दोनों ही दलों की ओर से हुई घोषणाओं में काश कुछ और जोड़ा जा सकता तो जुड़ जाता। बस अब तो इंतजार है कि ईवीएम में तेज बीप के साथ रजिस्टर्ड वोट किसको सिंहासन तक पहुंचाता है या फिर कहीं 2018 सरीखे कशमकश वाली स्थिति तो नहीं बनेगी? क्योंकि पूरे मध्यप्रदेश को देखें करीब 50 सीटों पर कांटे का संघर्ष दिख रहा है जो कि निश्चित रूप से होगा और यही सत्ता का द्वार बनेगा। बस इंतजार है तो 3 दिसंबर को जब प्रदेश के भाग्य का फैसला होगा कि सत्ता का ताज किसके सर सजेगा

पहले नवरात्रि फिर दशहरा अब धनतेरस, दिवाली, गोवर्धनपूजा, भाई दूज और तुरंत बाद थमता प्रचार। मध्यप्रदेश में इस बार लगभग आधी से ज्यादा सीटों पर विधानसभा चुनाव जैसा कुछ लगा नहीं। बीच में खामोशी को चीरते एकाध प्रचार वाहन में लगे लाउड स्पीकर से प्रत्याशी के समर्थन में रिकॉर्डेड गीत व अपील क्या पता कितना असर डाल पाए? इस बार वाकई में विधानसभा चुनाव बिल्कुल कोलाहल विहीन रहा।लेकिन प्रदेश में सभी सीटों पर लड़ रही दोनों दिग्गज पार्टियों भाजपा-कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं के बांह सिकोड़ अंदाज में खबरिया चैनलों में आ रहे बयानों से मतदाताओं का रुख समझ पाना बड़ा टेढ़ा काम रहा। नामांकन भरने से लेकर नाम वापसी तक जरूर थोड़ी सक्रियता दिखी लेकिन बाद में यह सक्रियता सिवाय बड़े नगरों के गांव-गांव, डगर-डगर नहीं दिखी। इसका मतलब यह नहीं कि मतदाता खामोश है। हवा का रुख भांपने वाले राजनीतिक पण्डित भी इस बार अलग ही दिखे।बावजूद इसके न तो भाजपा और न ही कांग्रेस यह मानने को तैयार नहीं कि सत्ता के सिंहासन में वह पीछे है। कौन जीतेगा, कौन हारेगाइसको लेकर प्रत्याशी चयन का सर्वे कहां हुआ किसने किया, किससे पूछा गया कुछ नहीं पता।बस पता है तो इतना कि चंद घण्टों बाद ईवीएम की बीप के साथ मत मशीन मेंदर्ज जाएगा लेकिन मत वाली हवा पहले तेज चलीफिर एकाएक ठण्डी पड़ गई। न कोई तूफान दिखा न ही राजनीतिक मौसम में मध्यप्रदेश के चुनावी सागर में कोई बिपरजॉय आया और न ही मोका। चुनाव बिना किसी लहर के होते दिख रहे हैं। कहां इस बार कुछ इस तरह का माहौल शुरू-शुरू में बना कि लगा चुनाव में एन्टी इन्कम्बेन्सी दिखेगी लेकिन त्योहारों के दौरान जिस तरह की शांति और उदासीनता खासकर कांग्रेस में दिखी उससे सत्ता के समीकरण का गणित हल करने वाले भी अब थोड़ा सशंकित हैं। मध्यप्रदेश की 230 विधानसभा सीटों को लेकर अलग-अलग कयासहैं। प्रदेश की राजधानी और भोपाल-नर्मदापुरम संभाग का सियासी पारा मिला जुला सा लग रहा है। यहां 36सीटें है जिस पर सीधी लड़ाई भाजपा और कांग्रेस के बीच है। इनमेंभाजपा 12तो कांग्रेस 10 विधानसभामें पूरे दमखम से लगी है जबकि 14 सीटों पर बहुत ही संघर्षपूर्ण स्थिति है।ग्वालियर-चंबल क्षेत्र

का अपना अलग राजनीतिक रसूख है।यहां विधानसभाकी 34 सीटों में 19 पर कांग्रेस तो 6 पर भाजपा और 2 पर बसपा चुनौती देती दिख रही है जबकि बांकी7 पर कांटे का मुकाबला है। यहां बसपा में बढ़ोत्तरी के साथ सीटें 2018 जैसी आएं तो हैरानी नहीं होगी। इन्दौर संभाग की 37 सीटों पर काफी रोचक स्थिति दिख रही है। यहां 24 सीटों पर फिफ्टी-फिफ्टी वाली स्थिति है तो 8 सीटों पर संघर्षपूर्ण स्थिति और 4 सीटों पर भाजपा-कांग्रेस दोनों को भितरघातियों से डर है। जबकि 1 सीट पर बागी प्रत्याशी कांग्रेस के लिए मुश्किल बना है। उज्जैन संभाग की 29 विधानसभा सीटों पर भी स्थिति काफी कुछ साफ सी दिख रही है।यहां पर भाजपा 16 कांग्रेस 10 और 3 पर कांटे की स्थिति बनी हुई है। इस तरह मालवा-निमाड़, ग्वालियर चंबल, उज्जैन और भोपाल-नर्मदापुरम की 136 सीटों पर ऊंट किस करवट बैठेगा समझ आ रहा है। इस बार महाकौशल यानी जबलपुर संभाग की 38 सीटों को लेकर भाजपा-कांग्रेस दोनों ही आशान्वित हैं। लेकिन जनता का रुख और बागियों व भितरघातियों का खेला अलग ही कर दिखाने पर आमादा हैं। शहरी क्षेत्रों में कांग्रेस-भाजपा दोनों ने ही उम्मीदें पाल रखीं हैं।यहां कांग्रेस 16 भाजपा 11 और 1 पर निर्दलीय जबकि 10 पर स्थिति अस्पष्ट है। इसी को लेकर तेज गुफ्तगू सुनाई दे रही है। सागर संभाग में 26 विधानसभा सीटें हैं। यहां पर भाजपा 16 कांग्रेस 8 तो सपा-बसपा 1-1 पर चुनौती देती दिख रही है। आप पार्टी भी एक या दो सीटों पर कांग्रेस-भाजपा का समीकरण बिगाड़ सकती है। विन्ध्य अंचल जिसमें रीवा और शहडोल संभाग आते हैं यहां पर विधानसभा की 30 सीटें हैं। जिसमें 22 रीवा संभाग में तो 8 शहडोल संभाग में आती हैं। यदि रीवा पर नजर डालें तो वहां भाजपा 6 कांग्रेस 10 और 1 पर आप मजबूत दिख रही है। जबकि 5 पर कांटे की टक्कर झलक रही है। वहीं शहडोल संभाग में 3 पर कांग्रेस 2 पर भाजपा तो 3 में संघर्षपूर्ण नजारा बना हुआ है। जहां तक राजनीतिक तापमान की बात है ठण्ड के मौसम के बावजूद दिन मे गर्मी के अहसास के बीच राजनीतिक तपन वैसा नहीं है जैसा कि अब तक के विधानसभा चुनावों के दौरान दिखा। नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप यहां तक कि कुछ सीटों पर निजी छींटाकशी के बयानों के चलते कभी-कभी लगा कि चुनाव हो रहे हैं वरना बड़े और मझोले शहरों और जिला मुख्यालयों पर स्टार प्रचारकों की रैलियां के सिवाय कुछ नहीं दिखा। चुनाव के दौरान भाजपा के लिए प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, स्मृति ईरानी तो कांग्रेस में प्रियंका गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे वहीं सपा में अखिलेश यादव बाहर से आए स्टार प्रचारकों में शुमार रहे। प्रदेश से भाजपा के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया तो कांग्रेस के लिए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, विवेक तन्खासहित कई दिग्गजों ने पसीना बहाया। कांग्रेस का चुनावी संचालन प्रदेश के बाहर आए लोगों द्वारा संभालना जरदस्त चचाओं में रहा।

यदि भाजपा और कांग्रेसे के वायदों को देखें तो लगता है कि नया कुछ भी नहीं है। कई घोषणाएं वहीं रहीं जो नेता काफी पहले से कहते आ रहे हैं। निश्चित रूप से धार्मिक वायदों की झड़ी है। दोनों ही दलों ने प्रदेश से निकलने वाली और प्रदेश की जीवन रेखा कहलाने वाली नर्मदा पर कई वायदे किए लेकिन किसी भी दल को नहीं लगा कि उसी नर्मदा उद्गम जगह वाले संभाग की पहचान भी नर्मदा से हो? तेजी से शहरों व गांवों के बदलते नामों के दौर में भी काश शहडोल संभाग अमरकण्टक संभाग हो जाता और अनूपपुर जिला नर्मदा उद्गम के चलते रेवांचल जिला, शहडोल ऐतिहासिक-पुरातात्विक महत्व के विराट नगर के नाम पर और उमरिया विश्व प्रसिध्द बांधवगढ़ उद्यान के नाम पर बांधवगढ़ जिला होता तो कुछ और ही होता। दोनों ही दलों ने पत्रकारों के कल्याणार्नार्थ कुछ घोषणाएं कीं। वहीं महिला संबल और कल्याण पर भी काफी कहा। ऐसे तमाम लुभावने वायदों के बीच युवाओं को यह जरूर अखर रहा है कि कृषि, किसान-कल्याण, बिजली बिल, तमाम परियोजनाओं, जनजातीय समाज के कल्याण, उत्तम शिक्षा,वरिष्ठ नागरिकों सहित कई मुद्दों पर भाजपा ने 96 पृष्ठों का घोषणा पत्र तो कांग्रेस ने 116 पृष्ठों का वचन पत्र जारी किया।युवाओं की प्रतियोगी परीक्षाओं में उनकी फीस माफी की कांग्रेस ने बात तो की लेकिन नौकरी कब देंगे सही-सही दोनों दल साफ-साफ नहीं बता पाए।पुरानी पेंशन, विधान परिषद पर कांग्रेस भारी दिखी। कांग्रेस ने भाजपा पर कट पेस्ट का आरोप लगाया तो भाजपा ने इसेसिरे से खारिज किया। अब कुछ भी हो अब इस चुनाव में और घोषणाओं का वक्त निकल गया है वरना संभव है कि प्रदेश में दोनों ही दलों की ओर से हुई घोषणाओं में काश कुछ और जोड़ा जा सकता तो जुड़ जाता। बस अब तो इंतजार है कि ईवीएम में तेज बीप के साथ रजिस्टर्ड वोट किसको सिंहासन तक पहुंचाता है या फिर कहीं 2018 सरीखे कशमकश वाली स्थिति तो नहीं बनेगी? क्योंकि पूरे मध्यप्रदेश को देखें करीब 50 सीटों पर कांटे का संघर्ष दिख रहा है जो कि निश्चित रूप से होगा और यही सत्ता का द्वार बनेगा। बस इंतजार है तो 3 दिसंबर को जब प्रदेश के भाग्य का फैसला होगा कि सत्ता का ताज किसके सर सजेगा।

कविता

नफरतों से प्यार का नही रास्ता बनता
,
लालच,लोभ से कोई नही वास्ता बनता।

जहां राग, द्वेष और दुश्मनी व्याप्त हो,
ऐसे में कोई सच्चा नही रिश्ता बनता।

कौन किसी का दुखड़ा सुनता है यहां,
ऐसे में कोई किसी से नही वास्ता बनता।

ऊपरी तौर पर मिलते , सब अच्छे से,
दिलों से दिल का रास्ता नहीं मिलता।

हर तरफ सन्नाटा अकेलापन क्यों है,
भाई भाई से खास नही रिस्ता रखता।

रिश्ते, प्यार, सहानुभूति अब हवा हो गई ,
दो मीठे शब्द बोलने वाला नही सच्चा मिलता।

कैसे दिखावटी रिश्ते बच गए हैं,
अपनों से सच्चा कोई नही वास्ता रखता।

प्यार, मोहब्बत,नाते, रिश्ते खो गए सब।
मोहब्बत का कोई शब्द अब सस्ता नहीं मिलता।

बूढ़ा आदमी भी तरसता सुनने को बच्चों के शब्द,
मौत तो आनी ही है,पर जिंदगी का नही रास्ता मिलता।

संजीव

कैसे खून से लथपथ होने से बचें हमारी सड़कें

आर.के. सिन्हा

एक बार फिर से देश में सड़क हादसों पर आई एक सरकारी रिपोर्ट को पढ़कर कोई भी इंसान डर जाता है। समझ नहीं आता कि आखिर कैसे हम अपने यहां होने वाले सड़क हादसों के कारण होने वाली मौतों पर काबू कर पाने में सफल होंगे। फिलहाल तो स्थिति सच में बेहद चिंताजनक है। हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल यानी 2022 में 4.61 लाख सड़क हादसे हुए। इन दुर्घटनाओं में 1.68 लाख लोगों ने जान गंवाई। ये वास्तव में एक बहुत ही बड़ा आंकड़ा है। इन आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि तकरीबन हर एक घंटे में 53 सड़क हादसे हुए। हम जिस रिपोर्ट की बात कर रहे हैं उसे सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ही जारी किया है। हादसों का वे अभागे लोग खासतौर पर शिकार हुए जो सीट बेल्ट और हेलमेट का इस्तेमाल नहीं करते। मेरा मानना है कि हमारे यहां निजी कारों और दूसरे वाहनों को चलाने वाले ड्राइवरों को जितना काम करना पड़ता है उसके चलते भी बहुत सारे हादसे होते हैं। एक औसत ड्राइवर दिन में 14-15 घंटे ड्यूटी करता है। उसे सोने का सही से मौका नहीं मिलता। उसकी कायदे से नींद पूरी ही नहीं हो पाती। चूंकि उसे अपने बीवी- बच्चों का पेट भरना होता है इसीलिए उसे दिन-रात गाड़ी चलानी पड़ती है। अमृत मान ने 1986 से लेकर 1991 तक अपनी सेकेंड हैंड एंबेसेडर कार को टैक्सी के रूप में चलाया। उसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे कई टैक्सियां खरीद कर अपनी ट्रांसपोर्ट कंपनी खोल ली। अमृत मान कहते हैं कि वे मन से अब भी ड्राइवर हैं। वे कहते हैं- ह्लड्राइवरी के पेशे में सिर्फ खटना होता है। ड्राइवर के सुख-दुख से किसी को कोई सरोकार नहीं होता। उसके जीवन में जिल्लत और अपमान ही है। उसने कब खाना खाया या नहीं खाया, वो कहां सोया या नहीं सो पाया, इससे आमतौर पर किसी कोई को लेना-देना नहीं होता। आप कभी किसी सरकारी या अन्य बिल्डिंग की पार्किंग को देख लें। वहां पर सैकड़ों कारें खड़ी मिलेंगी। किसी एक कार के बोनट पर चार-पांच ड्राइवर ताश खेल रहे होते हैं। उन्हें उनके कुछ साथी देख भी रहे होते हैं।

अचानक से बॉस का फोन आया। एक ड्राइवर ने अपने ताश के पत्ते साथी को दिए और निकल पड़ा बॉस को लेने। यही ड्राइवर की जिंदगी है। कब कहां जाना है, कुछ पता नहीं। उसे सवाल पूछने तक का हक नहीं है। उसकी ड्यूटी का कोई समय नहीं। आपको देश के बहुत सारे शहरों में सड़क किनारे टैक्सी स्टैंड मिलेंगे। वहां पर कुछ ड्राइवर चारपाई पर बैठे होते हैं। पीछे एक छोटा सा टेंट लगा होता है। इन टेंटों के आसपास ही ड्राइवरों की जिंदगी गुजर जाती है। टेंट में चाय बनाने वाला एक स्टोव भी रखा होता है। कई ड्राइवरों से बात हुई। सबका कहना था कि जब किसी को लेकर शहर से बाहर जाते हैं, तो रात को गाड़ी में ही सो जाते हैं।

विचार

राज्यपालों और सरकार के बीच तनातनी ठीक नहीं

राजेश माहेश्वरी

देश के कई राज्यों हाल के वर्षों में राज्य सरकारों व राज्यपालों के बीच गहरे टकराव के मामले प्रकाश में आए हैं। विडंबना यह है कि ये मामले उन राज्यों में सामने आए जिन-जिन राज्यों में बीजेपी सरकार नहीं है, वहां-वहां बीते सालों में सरकारों और राज्यपालों के बीच गंभीर तनातनी देखने को मिली है। इन राज्यों में सरकारें शिकायत करती रही हैं कि बिलों को मंजूरी देने में देरी की जाती है। फिर मामला पंजाब का हो या केरल, तेलंगाना, महाराष्ट्र और तमिलनाडु का। इनके विवाद की जड़ में राज्य वधिानसभा से पारित विधेयकों को राज्यपाल की ओर से पारित न किया जाना या इन्हें रोक कर रखना रहा है। सुप्रीम कोर्ट पहले भी राज्यपालों के रुख पर अपनी प्रतिक्रिया दे चुका है। यह विवाद इतना बढ़ा कि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि राज्यपालों को आत्मावलोकन करना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय पंजाब और तमिलनाडु के राज्यपालों से इस बात पर नाराज है कि वे विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी नहीं दे रहे। ऐसे में वैचारिक मतभेद तो स्वाभाविक हैं किंतु विधायी कार्यों में राजभवन और सरकार में टकराव लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। संघीय ढांचा होने से केंद्र और राज्यों में अलग-अलग दल की सरकार होना स्वाभाविक है। हालांकि ये कोई पहला मामला नहीं है जब इस तरह के मतभेद सामने आए हैं। भारत में राज्यपाल की नियुक्ति केंद्र सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति करते हैं। किसी भी स्टेट में राज्यपाल राष्ट्रपति और केंद्र सरकार का प्रतिनिधि होता है। राज्य में उसकी भूमिका एकदम स्पष्ट है। राज्य सरकार की सलाह से अपने दायित्वों का निर्वहन करना राज्यपाल का मुख्य काम है। राज्य में कुछ भी असामान्य होता है और राज्यपाल किसी बिल से सहमत नहीं हैं तो उसे नामंजूर कर सकते हैं लेकिन सरकार उसे दोबारा भेज देगी तो नियमानुसार उसे मंजूरी देना होगा। राज्यपाल के पास यह भी अधिकार है कि वे असहमत होने पर बिल राष्ट्रपति के पास भेज सकते हैं। अधिकार यह भी है कि राज्यपाल बिल पर कोई फैसला ही न लें। इस मुद्दे पर कानून भी मौन है और इसीलिए राज्य सरकारें राज्यपाल के पास बिल लटकने की स्थिति में सुप्रीम कोर्ट पहुंचती हैं। इतिहास के पन्ने पलटे तो केरल की नंबूदरीपाद सरकार को 1959 में राज्यपाल की सिफारिश पर महज इसलिए भंग कर दिया था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू को देश की वह एकमात्र गैर कांग्रेस सरकार नापसंद थी। उसके बाद से राज्यपाल के जरिए प्रदेश सरकारों को बर्खास्त किया जाना मामूली बात हो गई। यद्यपि अब वह चलन बंद हो चुका है किंतु राज्यपाल और मुख्यमंत्री में खींचातानी बढ़ती जा रही है। बाकी बातें अपनी जगह हैं किंतु विधानसभा द्वारा स्वीकृत विधेयकों को रोके रखना निर्वाचित सरकार के अधिकारों पर अतिक्रमण है। वैसे राज्यपाल का ये दायित्व जरूर हैं कि वे विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक की जांच करें। यदि वे संतुष्ट नहीं है तब उसे पुनर्विचार हेतु लौटा सकते हैं। लेकिन दोबारा पारित होने के बाद उस पर स्वीकृति देने की बाध्यता भी है और इसीलिए राजभवनों में विधेयकों को रोकने का सिलसिला शुरू हुआ। केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने पर तो दिक्कत नहीं आती किंतु विरोधी विचारधारा की सरकारें होने पर इस तरह की रस्साकशी आम हो गई है। राज्यपाल विधेयक को स्वीकृति हेतु कब तक रोके रख सकता है इसकी कोई समय सीमा नहीं है। हालांकि कुछ राज्यों में विरोधी मानसिकता वाले राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच काफी सौहार्दपूर्ण संबंध भी रहे। दरअसल राजभवन में बैठे ज्यादातर लोग सक्रिय राजनीति से रिटायर होते हैं या सेवानिवृत्त नौकरशाह। कुछ पूर्व सैन्य अधिकारियों को भी महामहिम बनाया जाता रहा है। इनमें से ज्यादातर निजी स्वार्थवश केंद्र सरकार को खुश करने में जुटे रहते हैं। हालांकि अनेक मुख्यमंत्री भी जानबूझकर टकराव के हालात पैदा करते हैं, जिसका उद्देश्य अपनी विफलताओं से जनता का ध्यान हटाना होता है। पंजाब, दिल्ली, तामिलनाडु, केरल, पष्चिम बंगाल इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादकः रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

जेईई मेन्स 2024 की तैयारी के लिए मार्गदर्शन

विजय गर्ग

जेईई मेन 2024 के लिए एक महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछले साल के प्रश्नों का प्राथमिकता के आधार पर अभ्यास करें उम्मीदवारों ने पहले ही जेईई मेन 2024 की तैयारी शुरू कर दी है, और हालांकि ऐसा लग सकता है कि अभी बहुत समय है, लेकिन समय का प्रबंधन और शेड्यूल का विवेकपूर्ण तरीके से प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए समय प्रबंधन एक महत्वपूर्ण कौशल है, और जब संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) की तैयारी की बात आती है, तो यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। इस क्षेत्र में अपने अनुभव के आधार पर, मैं इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी के दौरान छात्रों की चुनौतियों को समझता हूं। जेईई को दुनिया की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माना जाता है। छात्रों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) सहित देश के कुछ शीर्ष इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश मिलता है। जबकि लगभग 11 लाख अभ्यर्थी इस परीक्षा के लिए तैयारी करते हैं, केवल कुछ ही इन प्रतिष्ठित कॉलेजों में प्रवेश ले पाते हैं। इन चयनित छात्रों में कुछ सामान्य कौशल और ताकतें हैं। सबसे आम और महत्वपूर्ण कौशलों में से एक परीक्षा से पहले और परीक्षा के दौरान अपने समय का अच्छी तरह से प्रबंधन करने की क्षमता है। समय प्रबंधन का महत्व उत्पादकता में वृद्धिः समय प्रबंधन छात्रों को अपने अध्ययन के घंटों को अधिकतम करने की अनुमति देता है। वे विशिष्ट विषयों और कार्यों के लिए समय आवंटित करके पूरे पाठ्यक्रम को व्यवस्थित रूप से कवर कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी महत्वपूर्ण या उच्च प्राथमिकता वाला विषय अप्राप्य न रह जाए। उदाहरण के लिए, ऑर्गेनिक केमिस्ट्री को तभी समझा जा सकता है जब हमने जनरल ऑर्गेनिक केमिस्ट्री (जीओसी) और रिएक्शन मैकेनिज्म पर अच्छा काम किया हो। कभी-कभी, छात्र ऑर्गेनिक की बुनियादी बातों पर अधिक ध्यान केंद्रित किए बिना सभी ऑर्गेनिक अध्यायों को समान समय देते हैं। यदि आपके बेसिक्स मजबूत नहीं हैं, तो आपको ऑर्गेनिक को समझने के लिए कम से कम दोगुना प्रयास करना होगा।

कचरे को कचरा मत कहो

डॉ. सुरेश

आह, कचरा! हमारी आधुनिक दुनिया का गुमनाम नायक। यह वास्तव में अविश्वसनीय है कि कैसे पूरी तरह से और पूरी तरह से बेकार कोई चीज हमारे जीवन में इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। आइए कचरे की व्यापक सुविधा की सराहना करने के लिए कुछ समय निकालें। मेरा मतलब है कि इसके बारे में सोचें। जब हमारे घर बेतरतीब और अनावश्यक वस्तुओं से अव्यवस्थित हो जाते हैं, तो हम उन्हें देखते ही देखते कूड़ेदान में फेंक देते हैं! समस्या हल हो गई। यह जादू की तरह है, सिवाय इसके कि एक खरगोश को टोपी से बाहर निकालने के बजाय, हम पुराने केले के छिलके और खाली चिप बैग को एक बदबूदार प्लास्टिक बैग में भर रहे हैं और इसे खत्म कर रहे हैं। और आइए कचरे के पर्यावरणीय प्रभाव को न भूलें। यह बहुत ही हृदयस्पर्शी है, है ना? मेरा मतलब है, किसे सुरम्य नदी में तैरती हुई प्लास्टिक की बोतलों का दृश्य, या अपशिष्ट कचरे से गुजरते समय बगुले की चीख की आवाज पसंद नहीं होगी? यह प्रकृति द्वारा इतनी सुंदर गंदगी पैदा करने में किए गए सभी प्रयासों के लिए "धन्यवाद" कहने का एक तरीका है।

लेकिन कचरे के बारे में मेरी सबसे पसंदीदा चीज वह तरीका है जिससे यह लोगों को एक साथ लाता है। कुछ भी "सामुदायिक बंधन" नहीं कहता है, जैसा कि पड़ोसियों को इस बात पर बहस करते हुए देखना कि कूड़ा उठाने की बारी किसकी है, या सुबह होते ही सड़क पर कूड़ा उठाने वाले ट्रकों की मधुर ध्वनि। यह एक दैनिक अनुस्मारक की तरह है कि हम सब एक साथ हैं, बस अपने परिवेश को अच्छा और साफ-सुथरा रखने की कोशिश कर रहे हैं। और आइए गंध को न भूलें। ओह, गंध. उत्साह बढ़ाने और इंद्रियों को जगाने के लिए सड़ते भोजन और गीले कार्डबोर्ड की आनंददायक सुगंध से बेहतर कुछ नहीं है। यह गंधों का कचरागान की तरह है, प्रत्येक पिछले से अधिक तीखा और आक्रामक है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कचरा बीनने वाले हमारे समय के सबसे कम सराहे गए नायकों में से कुछ हैं।

न्यूज फ्लैश

हृदय रोग से जूझ रहे समरा नकवी के बच्चे के लिए धन जुटाने का अभियान केस्रूं३त्रह्४१४ ड्ढ्र पर शुरू किया गया

गाजियाबाद। एक हार्दिक पहल में, नरजिस नकवी ने जन्मजात सायनोटिक हृदय रोग से जूझ रहे समरा नकवी के बच्चे का समर्थन करने के लिए केस्रूं३त्रह्४१४ ड्ढ्र के साथ एक धन जुटाने का अभियान शुरू किया है। टेट्रालॉजी ऑफ फैलोट और एक अनुपस्थित फुफ्फुसीय वाल्व से पीड़ित शिशु का वर्तमान में मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, साकेत, नई दिल्ली में इलाज चल रहा है। 7 जुलाई को जन्म के बाद से, बच्चे को गंभीर श्वसन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसके कारण अपोलो अस्पताल में एक सप्ताह तक भर्ती रहना पड़ा। 5 सितंबर को सांस लेने में तकलीफ बढ़ने के कारण समरा नकवी के बच्चे को मैक्स अस्पताल, साकेत ले जाया गया। उच्च जोखिम वाली ओपन-हार्ट सर्जरी के बाद, शिशु वर्तमान में वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर है, जो लगभग एक महीने तक बढ़ने का अनुमान है। परिवार पहले ही इलाज पर लगभग 7 लाख रुपये खर्च कर चुका है, जिससे उनके संसाधन खत्म हो गए हैं। अभियान के पीछे की प्रेरक शक्ति नरजिस नकवी कहते हैं, "वेंटिलेटर अब उन माता-पिता के लिए आशा की किरण है, जिन्होंने पिछले दो महीनों में अपने बच्चे को बचाने के लिए अपना हर संभव प्रयास किया है।"

हवा, हवा की बात सै भाइयो

कृष्ण कुमार निर्माण

करनाल/टीम एक्शन इंडिया। हरयाणवी म्ह एक गाणा सै अक म्हारै गाम म्ह मरजाणी तेरी हवा कसूती सै। मतलब घणा कसूता रुक्का सै। पर जब बात हवा की चाली त्यो बात वा भी याद आग्यी अक भाई फलांणे माणस त्ये कति ए बात ना करियो, उसकी त्यो हवा घणी खराब सै। मतलब बेड़ा गर्क हो लिया जमा कति उसका। हरयाणा म्ह एक और कहावत भी सै अक फलाणा घणी हवा ल्ये रया सै मतलब घणा उड़ा-उड़ा हांडे सै। इस्स बात त्ये भी घणे लोग उसत्ये चिड?ा करै जो घणी हवा ल्ये रया हो। बड्डे-स्याणे न्यू भी कहंदये सुणे सै अक बाहर की हवा घणी ना लेणी चईये, मतलब बाहर की घणी हवा लेंण त्ये खुद की हवा भी खराब हो ज्याया करै। कई बार त्यो न्यू कहया जा सै अक इसक्ये त्यो बाहर की हवा लाग्य रयी सै, ज्यांत्ये घणा माच्चा-माच्चा हांड रया सै। हाँसी-मखौल म्ह कोये कति ए कमजोर सा हो, उस ताहीं भी कह दिया करै सै अक इसक्यी त्यो कति ए हवा सी लिकडनी पड़ी सै। बात हवा की चाल रयी सै या बैरण राजनीति म्ह भी घुस्सी देख्यी गई सै, मतलब न्यू अक जिसका पूरा जोर सा हो अर जीतण की पूरी आस हो, न्यू कह दिया करै अक भाई इसक्यी तो पूरी हवा सै, यो नहीं हार सकदया। जुकर पाछले टेम त्ये आप्पा देखण भी लाग्य रये सां पर राजनीति म्ह न्यू भी सुणा सै अक हवा कदयै भी पलटी मार ज्याया करै, बैरा ना लाग्या करदया। या त्यो भाई हवा की मर्जी वा कै करये, हवा की मर्जी वा क्यूकर चाले, हवा की मर्जी वा कित लिकड?ा अर कित बड?ा। अर साइंसदान त्यो न्यू भी कहैं सै अक हवा त्यो निराकार सै, या दिखदयी त्यो सै ए कोन्या बस जब चालै सै त्यो फील होवै सै। अर एक और कमाल सुणो हवा ओपरी भी होया करै, किसे म्ह किमैं गड़बड़ हो अर वा गड़बड़ डॉक्टर क्ये भी समझ म्ह ना आवै त्यो फेर लोग न्यू कहया करै अक भाई इसके भीतर त्यो ओपरी हवा सै, किसे स्याणे-सपटे त्ये दिखाल्यो ना त्ये हवा किमैं भी कर सकै सै। हवा-हवा की बात सै भाई, कई आदमी त्यो हवा-हवा म्ह बात करै ज्यां सैं। मतलब उनके लौवे धौरे धांस ना होंदयी पर बात हवा म्ह करदये पावेंग्ये। अर हवा का आपणा कमाल सै भाई। हवा प्ये मुहावरे भी घणे बणे होये सै अर कहावत भी। मतलब म्हारै त्ये त्यो या हवा आछी जो इतणी फेमस सै। अक इतणी फेमस त्यो आपणी सपना चौधरी भी ना होयी अर ना दादा लखमी। पर दोनूंआ की हवा कसूती सै। अर टीबी आलै बता रये थ्ये अक आजकाल त्यो हवा ऊँ भी कसूती सै, अर इतणी कसूती सै अक जिसन्ये भी देख्यो वोहयै खस-खस करदया हांडण लाग्य रया सै, अर सांस लेणा भी मुश्कल हो रया सै, टीबी आलै न्यू बता रये थ्ये अक अक दिल्ली म्ह इस हवा न्ये कति ए चाल्या पाड़ राख्या सै, जमी मारण न्ये हो रयी सै। अर आपणे ये राजनीति आले एक दूसरे प्ये इल्जाम ला-लाक्ये आपणी हवा बणाण लाग्य रये। अर हाड़े माणसा की हवा बंद होण लाग्य रयी सै पर सबन्ये आपणी-आपणी हवा की पड़ रयी सै। अर म्हारे ये नेतागण घणी हवा लेण लाग्य रये सै, जबकि ये आछी तरियां जाणे सै घणी हवा ना लिया करदये, मतलब घणी हवा लेणा भी आच्छा ना होंदा। पर एक बात याह भी सै, बिना हवा आदमी का आज काल के टेम म्ह काम भी ना चालदया, बिना हवा होवै कोये पूछदया ए कोन्या। अर इब्ब आली हवा त्यो न्यू बता रये थ्ये अक घणी कसूती जहरीली सै, इतणी जहरीली सै अक बस जी सा काढ़ दये सै।

पर एक बात और सुणी अक या जो हवा घणी खराब होयी सै, या त्यो माणसां न्ये खुद ए मिल-मिलाक्ये करयी सै, सुआद लेण खातर और भटकाओ बम्ब, पटाखे अर फुलझड़ी। अर और करयो कुदरत गैल्या खिलवाड़, अर और लाओ बसदये होये लोगयां धौरे कारखाने, और खरीदो एक-एक घर म्ह तीन-तीन कार, अर स्कूटर अर स्कूटी और करयो पाणी न्ये गंदा अर सारये रोण लाग्य रये सै। अर सुणो रोण त्ये काम कोन्या चालै या हवा त्यो खुद ए सुधारणी होग्यी, ना त्ये फेर जिंदगी आली हवा खराब होण म्ह बार कोन्या। देखल्यो,सोचल्यो अर यो कुदरत गैल्या खिलवाड़ बंद कर दयो। अर बात सुणो हवा प्ये बोहत सारयी बात त्यो रहैग्यी होंगी फेर कदये टेम-टूम पर करांग्ये बस फिलहाल त्यो इतणा बोहत सै, जै मानोग्ये त्यो। आच्छा जै राम जी की।

सहकारिता मंत्री ने की 48वें पिराई सत्र की शुरूआत

मनोहर सरकार 386 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से दे रही देशभर में सर्वाधिक गन्ने का दाम : बनवारी लाल

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

हरियाणा के सहकारिता एवं जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने मंगलवार को करनाल शुगर मिल के 48वें पिराई सीजन की शुरूआत की। हवन-यज्ञ के बाद मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने पिराई के लिए गन्ने डालकर मशीन को शुरू किया और किसानों को बधाई व शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार किसान का एक-एक गन्ना खरीदेगी और समय से पेमेंट भी देगी।

डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि 9 साल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सबका साथ-सबका विकास की भावना से हर वर्ग के लिए काम किया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 14 रुपये प्रति क्विंटल गन्ने का दाम बढ़ाकर 386 रुपये देने का काम किया है, जो पूरे देश में सर्वाधिक है। इसके लिए उन्होंने किसानों की तरफ से मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार जताया। मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अगले साल के पिराई सीजन के लिए गन्ने के दाम 400 रुपये प्रति क्विंटल करने की पहले ही घोषणा कर दी है।

मुख्यमंत्री की सोच घाटे से निकले शुगर मिल: मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सोच है कि शुगर मिलों को घाटे से निकाला जाए इसलिए उन्होंने मिलों की क्षमता बढ़ाने का कार्य किया है। पुराने शुगर मिलों में मरम्मत का कार्य ज्यादा होता था, ऐसे में किसानों को उत्तरप्रदेश में गन्ना लेकर जाना पड़ता था लेकिन मुख्यमंत्री ने मिलों की क्षमता बढ़ाई। आज हमारे किसानों का गन्ना दूसरे प्रदेश में नहीं जाता। उन्होंने कहा कि शुगर मिलों में चीनी के साथ-साथ एथनॉल प्लॉट व बायोगैस प्लॉट भी शुरू किए गए हैं। आज जो भी सुधार हो रहे हैं, इससे किसान को फायदा होता है। मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने काफी सुधार किए हैं। पैक्स के कंप्यूटराईज्ड होने से लोगों को लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह सहकारी से समृद्धि का संदेश देते हैं। इससे रोजगार पैदा होंगे और बेरोजगारी दूर होगी।

किसानों के लिए मिल में काफी व्यवस्था: मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि वे भगवान से प्रार्थना करेंगे कि करनाल शुगर मिल निर्बाध रूप से चले। किसान को आनलाइन सर्विस के माध्यम से जानकारी मिल रही है, इसके अतिरिक्त मिल के बाहर भी किसानों के लिए हैल्प डेस्क स्थापित किया गया है। कैंटीन में काफी सुधार किए गए हैं, यहां 10 रुपये में खाना उपलब्ध है। उन्होंने करनाल शुगर मिल में व्यवस्थाओं के लिए एमडी शुगर मिल हितेंद्र कुमार की भी प्रशंशा की। करनाल शुगर मिल के कर्मचारियों की मांग को लेकर मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत करवा दिया गया है। जल्द ही कोई सकारात्मक कार्यवाही की जाएगी।

शुगर मिल के नवीनीकरण पर मुख्यमंत्री का दिल की गहराईयों से आभार : हरविंद्र कल्याण: घरौंडा के विधायक हरविंद्र कल्याण ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल का दिल की गहराईयों से आभार है, जो करनाल शुगर मिल का नवीनीकरण किया गया है। इससे किसानों को काफी राहत मिली है। पहले किसानों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था लेकिन अब नया प्लॉट लग जाने से राहत मिली है। उन्होंने 48वें पिराई सीजन की शुरूआत पर सभी किसानों व शुगर मिल प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसानों को पिराई सीजन के दौरान किसी तरह की परेशानी व दिक्कत का सामना न करना पड़े, इसके लिए अच्छी प्लॉनिंग की जाए। उन्होंने किसानों से भी गन्ने के पैदावार बढ़ाने का आह्वान किया।

सीजेएम जसबीर कौर ने किया बाल मेले का शुभारंभ

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा श्रद्धानंद बाल आश्रम व एमडीडी बाल आश्रम के सौजन्य से बाल दिवस के उपलक्ष्य में बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारम्भ मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री जसबीर द्वारा किया गया।

सीजेएम ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष चन्द्रशेखर के मार्गदर्शन में जिला में विभिन्न स्थानों पर इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मेले में बाल आश्रमों के बच्चों ने बाल आश्रम को रंगोली बनाकर सजाया व विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर खेलों को आयोजन भी किया गया। सभी बच्चों के लिए अलग अलग प्रकार के स्नैक्स व मिठाईयों के स्टाल भी लगाए गए। बाल आश्रमो में रह रहे बच्चों द्वारा दीपावली के उपलक्ष में दिये, मोम्बती, पेंटिंग, वाल हैंगिंग, बंदरवार जैसे सजावटी समान की प्रदर्शनी भी लगाई गई। सीजेएम जसबीर ने बच्चों के साथ सभी स्टालों पर स्नैक्स व मिठाईयां चखी व आयोजित इनडोर गेम्स मे भाग लेकर बच्चों का हौसला बढाया बच्चों ने बाल मेला का भरपूर आनंद उठाया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 30 नवंबर तक बढ़ाई

करनाल/टीम एक्शन इंडिया।

हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाली बालिकाओं को राष्ट्रीय बालिका दिवस पर सम्मानित जाएगा। इसके लिए आवेदन की तिथि को एक नवंबर से बढ़ाकर 30 नवंबर किया गया है। राज्य स्तरीय राष्ट्रीय बालिका दिवस पर कुल 86 पुरस्कार दिए जाएंगे, जिनमें से 11-11 हजार के 47 पुरस्कार व 39 पुरस्कार राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए दिए जाएंगे।

विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि सराहनीय कार्य करने वाली बालिकाएं संबंधित जिले के महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय में 30 नवंबर तक आवेदन जमा करवा सकती हैं।

आज से प्रारम्भ होगा शहरी कुष्ठ नियन्त्रण कार्यक्रम

करनाल/टीम एक्शन इंडिया।

जिले के हर घर में दस्तक देकर स्वास्थ्य विभाग की टीमें कुष्ठ रोगियों की पहचान करेंगी। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (एनएलईपी) के अन्तर्गत जिले के 13 सामुदायिक एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के तत्वाधान में शहरी कुष्ठ नियन्त्रण कार्यक्रम का संचालन किया जायेगा। जिला स्तर पर सिविल सर्जन डॉ. कृष्ण कुमार, डिप्टी सीएमओ डॉ. सिम्मी व पैरा मेडिकल वर्कर वन्दना आर्या द्वारा कार्यक्रम को निर्देशित किया जायेगा। सिविल सर्जन डॉ.कृष्ण कुमार ने बताया कि यूएलसीपी 15 से 28 नवम्बर तक करनाल के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तरावड़ी, नीलोखेड़ी, इन्द्री, घरौण्डा, असंध व नीसिंग तथा अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों-शिव कालोनी, रामनगर, इंदिरा कालोनी, धोबी मौहल्ला, सेक्टर-13, सेक्टर-6 व वसंत विहार के क्षेत्रों में संचालित होगा। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। स्वास्थ्य विभाग की कुल 85 टीमें, जिनमें एक आशा वर्कर व एक पुरूष कार्यकर्ता होंगे, घर-घर जाकर कुष्ठ संभावित व्यक्तियों की पहचान करेंगे। कुल 17 एमपीएचडब्ल्यू टीम सुपरवाइजर टीमों का पर्यवेक्षण करेंगे।

उप सिविल सर्जन, कुष्ठ रोग विभाग डॉ. सिम्मी कपूर ने बताया कि यूएलसीपी के अन्तर्गत 14 दिनों में 33 हजार 320 घरों में, 1 लाख 66 हजार 600 लोगों से सम्पर्क का लक्ष्य रखा गया है।

गौशाला में दुधारू गाय खरीदने की खुली बोली 16 को: अरूण भार्गव

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

नगर निगम की देखरेख में संचालित फूसगढ़ स्थित गौशाला में मौजूद दुधारू व गर्भावस्था गाय खरीदने की खुली बोली 16 नवंबर गुरूवार को गौशाला परिसर में की जाएगी। इससे पहले भी बोली करवाई जा चुकी है। कोई भी व्यक्ति बोली में भाग लेकर अपनी पसंद की गाय खरीदकर उसका मालिक बन सकता है।

उप निगमायुक्त अरूण भार्गव ने बताया कि फूसगढ़ स्थित गौशाला में गायों की संख्या बढ? के कारण बोली के माध्यम से इनकी ब्रिकी करने की योजना बनाई गई थी। हालांकि इनकी देखरेख के लिए गौशाला में सभी इंतजाम मौजूद हैं। इनमें दुधारू व गर्भवती गाय हैं, जितनी गाय बिकती रहेंगी, उनकी जगह सडक पर भटकती गायों को उठाकर इसमें रखा जा सकता है।

उन्होंने बताया कि अब तक कुल 48 गाय, करीब 5 लाख 26 हजार रुपये में बिक गई हैं। उन्होंने बताया कि गौशाला में अभी भी करीब 45 दुधारू व गर्भावस्था की गाय मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि बीते माह गायों की बोली करवाने को लेकर तिथियां निर्धारित की गई थी। इसके तहत आगामी बोली 16 नवंबर व 20 दिसंबर को गौशाला परिसर में की जाएगी। बोली का समय प्रातः 10 बजे रहेगा।

बोली को लेकर तय किए गए नियमो की जानकारी देते उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति खुली बोली में भाग ले सकता है। इसके लिए 5 हजार रुपये की प्रतिभूति राशि जमा करवानी होगी। रिजर्व प्राईस भी 5 हजार रुपये रखा गया है। एक सिक्योरिटी पर 2 गायों की बोली दे सकते हैं। बाकि के नियम व शर्तें मौके पर ही बताई जाएंगी। लेकिन बोली के बाद गाय लेने से मना करने पर सिक्योरिटी राशि वापिस नहीं दी जाएगी।

गायों की बोली के लिए कमेटी गठित- उन्होंने बताया कि गायों की बोली को लेकर जो प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी, उसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें वरिष्ठद लेखा अधिकारी, सचिव, मुख्य सफाई निरीक्षक व गौशाला के केयर टेकर शामिल गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि फूसगढ़ स्थित गौशाला में इस समय करीब 650 गाय और 450 नंदी मौजूद हैं व सभी स्वस्थ्य अवस्था में हैं।

सुआ मारकर हत्या करने वाले दो आरोपी काबू

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

पुलिस चौकी सदर बाजार की टीम द्वारा होटल पर खाना खाते समय हुई मामूली कहासुनी में सुआ मारकर हत्या करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने मामूली कहासुनी को लेकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया था।

शिकायतकर्ता सौरभ पुत्र भोलाराम वासी शिवाजी कॉलोनी करनाल, संदीप उर्फ काला पुत्र शिवकुमार वासी ओल्ड बहादुर चंद कालोनी और त्रिवेणी पुत्र गौरव महतो वासी शिवाजी कॉलोनी तीनों सफेदी व रंग रोगन का काम करते हैं। 9 नवंबर को काम करके समय रात 8 बजे रिकित होटल एसपीएस स्कूल हांसी रोड करनाल पर खाना खाने चले गए। वहां पहले से ही तीन अन्य व्यक्ति भी खाना खा रहे थे। शिकायतकर्ता सौरभ मेज के पास खड़ा था और उन तीनों में से एक व्यक्ति आया और शिकायतकर्ता को एक थप्पड़ मारा। शिकायतकर्ता ने उस व्यक्ति से थप्पड़ मारने का कारण पूछा, जिससे शिकायतकर्ता के दोस्त संदीप और त्रिवेणी भी उसके पास आ गए और आरोपी पक्ष के दोस्त भी आ गए और हाथापाई शुरू हो गई। इसके पश्चात आरोपी पक्ष में से एक व्यक्ति ने सुआ के साथ संदीप उर्फ काला के सिर और कमर में कई वार किए।

बॉलीबॉल रनरअप चैंपियनशिप जीतने पर हुआ शानदार स्वागत

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

फेडरेशन ऑफ प्राइवेट स्कूल एंड वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा करवाए गए जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बॉलीबॉल प्रतियोगिता में एमएसडी पब्लिक स्कूल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुऐ रनर अप ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। टीम के इस शानदार प्रदर्शन पर स्कूल पहुंचने पर स्कूल मैनेजमेंट द्वारा टीम का शानदार स्वागत किया गया।

स्कूल के प्रिंसीपल देवी चरण शर्मा ने बताया कि स्कूल के विद्यार्थियों ने खुद मेहनत करते हुए जिला स्तर पर शानदार प्रर्दशन कर स्कूल का नाम चमकाया है। उन्होंने टीम के कप्तान रमन तथा अन्य खिलाडि?ें छविकेश, कार्तिक, कृश लविश, तरुण, उदयपाल, मेहताब, रितेश, विशु सैनी, तिलक तथा विशु को मेडल देकर सम्मानित किया।

भाजपा में संगठनात्मक बदलाव एक सहज प्रक्रियाः सुभाष

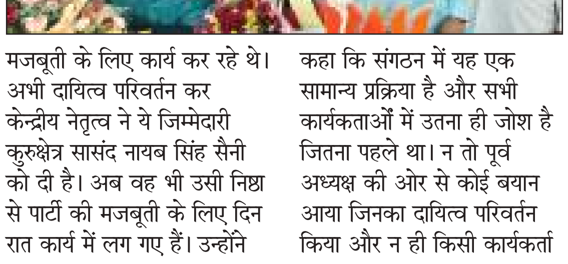

करनाल/टीम एक्शन इंडिया।

भारतीय जनता पार्टी सिद्धांतो वाली पार्टी है और यहां राष्ट्रीय एकता व राष्ट्र ही सर्वोपरि का विचार प्रमुख है। सभी नेता व कार्यकर्ता इसी भाव से कार्य करते हुए अपने अपने दायित्व मे लगे रहते हैं। यह बात स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने कही।

उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पूर्व तक प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व वरिष्ठ भाजपा नेता ओपी धनखड़ के पास था और वे स्वयं व सभी कार्यकर्ता पुरी निष्ठा से पार्टी की मजबूती के लिए कार्य कर रहे थे। अभी दायित्व परिवर्तन कर केन्द्रीय नेतृत्व ने ये जिम्मेदारी कुरुक्षेत्र सासंद नायब सिंह सैनी को दी है। अब वह भी उसी निष्ठा से पार्टी की मजबूती के लिए दिन रात कार्य में लग गए हैं। उन्होंने कहा कि संगठन में यह एक सामान्य प्रक्रिया है और सभी कार्यकताओं में उतना ही जोश है जितना पहले था। न तो पूर्व अध्यक्ष की ओर से कोई बयान आया जिनका दायित्व परिवर्तन किया और न ही किसी कार्यकर्ता का, जबकि विपक्ष स्वयं ही अनाप शनाप बयान बाजी कर रहा है।

सुभाष चंद्र ने कहा कि अन्य किसी भी राजनीति दल या पार्टी में ऐसी लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं है, क्योंकि इन पारिवारिक पार्टियों के सभी नेता केवल अपने नाम व हित के लिए कार्य करते हैं। ओपी धनखड़ आज भी उसी जोश के साथ अपने नए दायित्व पर लगे हुए है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और अब नायब सिंह सैनी से भी संगठन व कार्यकर्ता ऐसी ही अपेक्षा कर रहे हैं।

तीन हथियारबंद नकाबपोश शराब के ठेके से 40 हजार और शराब लूटकर फरार

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

जिले के रामगढ़ छानो गांव में एक शराब के ठेके पर तीन नकाबपोश बदमाशों ने तेजधार हथियार के बल पर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। बदमाश ठेके की फाइबर काटकर अंदर घुसे थे और आते ही ठेके में मौजूद कारिंदे को हथियार की नोक पर ले लिया। बदमाशों ने अंग्रेजी व देसी शराब की पेटियां ठेके से उठा ली और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पीडित ने मामले की जानकारी ठेकेदार को दी। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया और लिखित शिकायत की गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंजाब के लालड़ू गांव का रहने वाला मोनू इंद्री के रामगढ़ छानो में शराब के ठेके पर काम करता है। ठेका बिंद्र पोसवाल का है। बीती आधी रात को करीब 12 बजे तीन अज्ञात बदमाश ठेके की फाइबर काटकर अंदर घुसे। मोनू ने बताया कि वह ठेके के अंदर ही सो रहा था। बदमाशों की आहट से उसकी आंख खुल गई। उसने चिल्लाने की कोशिश भी की, लेकिन उसे तेजधार दिखाकर वहीं चुपचाप बैठने के लिए कहा। बदमाशों ने कहा कि अगर चिल्लाया तो अपना नुकसान करवा लेगा। उसके बाद वह चुपचाप बैठ गया।

मोनू ने बताया कि तीनों बदमाशों ने ठेके के अंदर से दो पेटी बीयर, एक पेटी अंग्रेजी और एक पेटी देसी शराब उठा ली। साथ ही ठेके में रखे 40 हजार रुपए भी लूट लिए। इतना ही नहीं आरोपी उसका मोबाइल भी उठाकर ले गए। तीनों बदमाश मुंह ढके हुए थे। लूटपाट की घटना को अंजाम देने के बाद तीनों मौके से फरार हो गए। मोनू ने बताया कि घटना के वक्त एक आरोपी ने दूसरे को रोहित नाम लेकर बुलाया था। बदमाशों के जाने के बाद उसने ठेकेदार को पूरी वारदात की जानकारी दी और ठेकेदार मौके पर पहुंचा। पुलिस को सूचना देने के बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

इंद्री थाना के जांच अधिकारी शमशेर सिंह ने बताया कि रामगढ़ छानो में ठेके पर तीन बदमाशों द्वारा नगदी व शराब की पेटियां लेकर फरार होने की शिकायत मिली है। शिकायत के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पंजाब के व्यापारी से 3 लाख की ठगी, पुलिस की वर्दी में आए थे दो आरोपी

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

कस्बा असंध में पंजाब के व्यापारी के साथ 3 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। कैथल के युवक ने व्यापारी को कपड़ा लेने के लिए पंजाब से असंध बुलाया था। व्यापारी का आरोप है कि साजिश के तहत युवक ने वहां पर पुलिस की वर्दी में दो अन्य आरोपियों को बुलाया और उसे डरा धमकापर 3 लाख रुपए छीन लिए। व्यापारी का आरोप है आरोपियों ने उसे धक्का देकर गाड़ी से बाहर फेंक दिया। इसके बाद आरोपी गाड़ी को लेकर फरार हो गए।

पंजाब निवासी कपड़े के व्यापारी लखविंदर ने असंध थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पास तीन दिन पहले कैथल के विकास का फोन आया। विकास ने बताया कि उसकी कपड़े की फैक्ट्री है। अगर उसे कपड़े लेने हैं तो उसे असंध आना होगा। वह आरोपी के कहे अनुसार कल असंध पहुंच गया। इसके बाद आरोपी विकास को फोन किया तो उसने लोकेशन भेज दी। इसके बाद आरोपी ने उसे मुंड रोड बुला लिया। वह लोकेशन के अनुसार अपनी गाड़ी में वहां चला गया।

इस दौरान जब वह गाड़ी लेकर वहां पर पहुंचा तो आरोपी विकास अपने एक अन्य साथी के साथ वहां पर आया। उसने अपने साथी को गाड़ी लेकर पीछे-पीछे आने को कहा और मुझे कहा कि चलो फैक्ट्री चलते हैं। वहां पर माल देख लेना और पैसे दे देना। जब वह गाड़ी स्टार्ट करने लगा तो वहां पर दूसरी गाड़ी में चार से पांच अन्य लोग आए, जिनमें से दो लोगों ने पुलिस की वर्दी पहन रखी थी।

खांसी या पेटदर्द, ठंड में अमरूद खाने से मिलते हैं ये 15 फायदे

अमरूद में विटामिन सी और शर्करा काफी मात्रा में होती है। अमरूद में पेक्टिन की मात्रा भी बहुत अधिक होती है। अमरूद को इसके बीजों के साथ खाना अत्यंत उपयोगी होता है, जिसके कारण पेट साफ रहता है। अमरूद का उपयोग चटनी, जेली, मुरब्बा और फल से पनीर बनाने में किया जाता है। आइए जानते हैं कि आखिर ठंड में अमरूद खाने के क्या फायदे हो सकते हैं।

अमरूद के सेवन से दूर होती हैं ये बीमारियां...

पेटदर्द में आराम

अमरूद के पेड़ की पत्तियों को बारीक पीसकर काले नमक के साथ चाटने से लाभ होता है। अमरूद के फल की फुगनी (अमरूद के फल के नीचे वाले छोटे पत्ते) में थोड़ा-सी मात्रा में सेंधा नमक मिलाकर गुनगुने पानी के साथ पीने से पेट दर्द समाप्त होता है। यदि पेट दर्द की शिकायत हो तो अमरूद की कोमल पत्तियों को पीसकर पानी में मिलाकर पीने से आराम होता है।

अपच में उत्तम औषधि

अपच, अग्निमान्द्य और अफारा के लिए अमरूद बहुत ही उत्तम औषधि है। इन रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को 250 ग्राम अमरूद भोजन करने के बाद खाना चाहिए। जिन लोगों को कब्ज न हो तो उन्हें खाना खाने से पहले खाना चाहिए।

बवासीर रोग करे दूर

सुबह खाली पेट 200-300 ग्राम अमरूद नियमित सेवन करने से बवासीर में लाभ मिलता है। कुछ दिनों तक रोजाना सुबह खाली पेट 250 ग्राम अमरूद खाने से भी बवासीर ठीक हो जाती है। बवासीर को दूर करने के लिए सुबह खाली पेट अमरूद खाना उत्तम है। मल-त्याग करते समय बायें पैर पर जोर देकर बैठें। इस प्रयोग से बवासीर नहीं होती है और मल साफ आता है। पके अमरूद खाने से पेट की कब्ज खत्म होती है, जिससे बवासीर रोग दूर हो जाता है।

कब्ज में फायदा

तरोताजा बड़े-बड़े अमरूद लेकर उसके छिलके निकालकर टुकड़े कर लें और पानी में उबालें। जब अमरूद आधे पककर नरम हो जाएं, तब नीचे उतारकर कपड़े में डालकर पानी निकाल लें। उसके बाद उससे 3 गुना शक्कर लेकर चासनी बनाएं और अमरूद के टुकड़े उसमें डाल दें। फिर उसमें इलायची दानों का चूर्ण और केसर डालकर मुरब्बा बनाएं। ठंडा होने पर मुरब्बे को चीनी-मिट्टी के बर्तन में भरकर, उसका मुंह बंद करके थोड़े दिन तक रख छोड़ें। यह मुरब्बा 20-25 ग्राम की मात्रा में रोजाना खाने से कब्जियत दूर होती है।

खांसी में लाभ

एक कच्चे अमरूद को लेकर चाकू से उसका गूदा निकाल लेते हैं। फिर इस अमरूद में पिसी अजवायन तथा पिसा कालानमक 6-6 ग्राम भर देते हैं। इसके बाद अमरूद पर कपड़ा लपेटकर उसमें गीली मिट्टी का लेप लगाकर आग में भून लेते हैं पकने के बाद इसके ऊपर से मिट्टी और कपड़ा हटाकर अमरूद को पीस लेते हैं। इसे आधा-आधा ग्राम की मात्रा में शहद के साथ मिलाकर सुबह-शाम रोगी को चटाने से काली खांसी में लाभ होता है।

जल्द घाव भरना

अमरूद की कोमल पत्तियां उबालकर पीने से पुराने दस्त ठीक होते है। दस्तों में आंव आती रहे, आंतों में सूजन आ जाएं, घाव हो जाए तो 2-3 महीने 250 ग्राम अमरूद रोजाना खाने से दस्त में लाभ होता है। अमरूद में-टैनिक एसिड होता है, जिसका काम घाव भरना है। इससे आंतों के घाव भरकर आंते स्वस्थ हो जाती हैं।

अमरूद कब हो सकता है हानिकारक?

शीत प्रकृति वालों को और जिनका आमाशय कमजोर हो, उनके लिए अमरूद हानिकारक होता है। बारिश के सीजन में अमरूद के अंदर सूक्ष्म धागे जैसे सफेद कीड़े पैदा हो जाते हैं जिसे खाने वाले व्यक्ति को पेट दर्द, अफारा, हैजा जैसे विकार हो सकते हैं। हालांकि ठंड में ताजे अमरूद खाना फायदेमंद होता है, लेकिन यदि कुछ दिन तक पुराने हो जाए तो नहीं खाना चाहिए। इसके बीज सख्त होने से आसानी से नहीं पचते और यदि ये एपेन्डिक्स में चले जाए, तो रोग पैदा कर सकते है। अतः इनके बीजों के सेवन से बचना चाहिए।

15 फायदे

- अमरूद हाई एनर्जी फ्रूट है, जिसमें भरपूर मात्रा में विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं। ये तत्व हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी होते हैं।
- अमरूद में पाया जाने वाला विटामिन बी-9 शरीर की कोशिकाओं और डीएनए को सुधारने का काम करता है।
- अमरूद में मौजूद पोटेशियम और मैग्नीशियम दिल और मांसपेशियों को दुरुस्त रखकर उन्हें कई प्रकार की बीमारियों से बचाता है।
- अगर आप अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना चाहते हैं तो अमरूद का सेवन करना बहुत फायदेमंद होगा।
- अमरूद के नियमित सेवन से सर्दी जुकाम जैसी समस्याओं के होने का खतरा भी कम हो जाता है।
- अमरूद में पाया जाने वाला विटामिन ए और ई आंखों, बालों और त्वचा को पोषण देता है।
- अमरूद में मौजूद लाइकोपीन नामक फाइटो न्यूट्रिएंट्स शरीर को कैंसर और ट्यूमर के खतरे से बचाने में सहायक होते हैं।
- अमरूद में बीटा कैरोटीन होता है, जो शरीर को त्वचा संबंधी बीमारियों से बचाता है।
- अमरूद का नियमित सेवन करने से कब्ज की समस्या में राहत मिलती है।
- फल के साथ ही अमरूद की पत्तियों का सेवन मुंह के छालों को दूर करने में कारगर होता है।
- अमरूद का रायता, चटनी, अचार और शेक खाने का स्वाद बढ़ा देते हैं।
- अमरूद मेटाबॉलिज्म को सही रखता है, जिससे शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियंत्रित रहता है।
- कच्चे अमरूद में पके अमरूद की अपेक्षा विटामिन सी अधिक पाया जाता है। इसलिए कच्चा अमरूद खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।
- अमरूद में फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है, इसलिए यह डायबिटिज के मरीजों के लिए बहुत अच्छा होता है।
- थायरॉइडनॉर्मल थायरॉइड में भी डॉक्टर अमरूद खाने की सलाह देते हैं।

रेसिपी

मशरूम करी

सामग्री

- **मशरूम:** 200 ग्राम
- **प्याज**
- **टमाटर:** 2 बारीक कटा
- **लहसुन:** 2
- **अदरक** : 1/2 इंच कद्दूकस किया हुआ
- **लाल मिर्च पाउडर:** 1/2 छोटा टी स्पून
- **तेल:** 1 बड़ा टीस्पून
- **काजू:** 15
- **हरा धनिया** : 1 बड़ा टीस्पून
- **नमक:** स्वाद के अनुसार

विधि

काजू को गरम पानी में 10 मिनट भिगोकर पेस्ट बना लें। मशरूम को धोकर उसका डंठल काट लें। एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और मशरूम डालकर 3 मिनट पकाएं। इन्हें अलग रख दें। कढ़ाई में थोड़ा और तेल डालें और फिर प्याज डालकर गोल्डन होने तक भून लें। फिर अदरक, लहसुन डालकर भून लें। अब टमाटर, लाल मिर्च और नमक डालें। टमाटर नरम होने तक पका लें। फिर काजू पेस्ट डाल कर 3 मिनट तक पका लें। इसमें मशरूम और गर्म मसाला डालकर 2 मिनट पका लें। अब हरा धनिया डालकर गॉर्निश करें और सर्व करें।

लहसुन मशरूम सूप

सामग्री

- **बटन मशरूम:** 200 ग्राम
- **बारीक कटा लहसुन:** 8 कलियां
- **अजवाइन:** 1/2 चम्मच
- **बारीक कटा हरा प्याज:** 1/2 कप
- **वेजिटेबल स्टॉक:** 1 लीटर
- **ऑलिव ऑयल:** 2 चम्मच
- **धनिया पत्ती:** 4 चम्मच
- **नींबू के टुकड़े:** 2
- **नमक:** स्वादानुसार
- **काली मिर्च पाउडर:** स्वादानुसार

विधि

मशरूम को अच्छे से साफ करके धो लें और छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। लहसुन को भी छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। पैन में दो चम्मच तेल गर्म करें और उसमें लहसुन और अजवाइन डालें। एक मिनट बाद पैन में कटा हुआ हरा प्याज डालें। दो-तीन मिनट तक पकाएं। मशरूम को पैन में डालें और मध्यम आंच पर पकाएं। पांच से दस मिनट तक पकाएं। नमक, काली मिर्च और उबली सब्जियों का पानी मिलाकर एक उबाल आने दें और उसके बाद मध्यम आंच पर पकाएं। गैस ऑफ करें और मिश्रण को हल्का ठंडा होने दें। हैंड ब्लेंडर की मदद से अच्छी तरह से मिलाएं। सर्व करने से पहले एक बार सूप को गर्म करें। धनिया पत्ती और नींबू के टुकड़े से सजाकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुका पैसा को सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यापारिक का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में न पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। पास-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में न पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2647

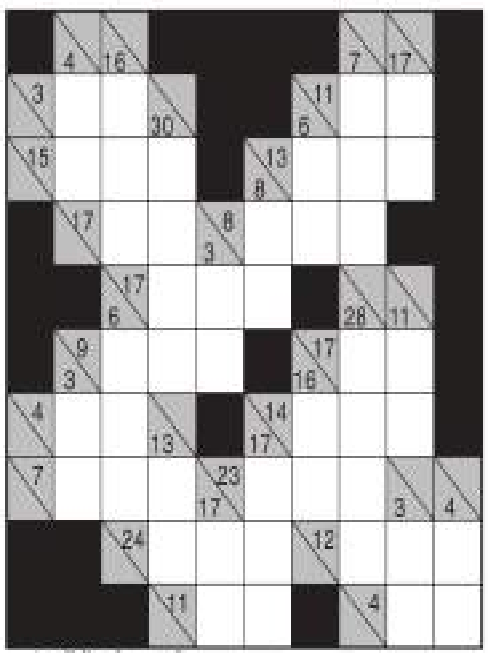

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्गों की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2646 का हल

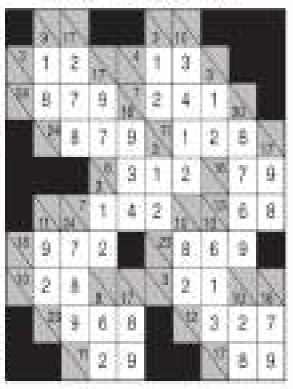

हंसी के फूव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन.....एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

□ □ □

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा.उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजें.

□ □ □

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया,'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है,मगर तुम क्यों खुश हो?'

दूसरा चहककर बोला-'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

□ □ □

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा,'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली,'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2647

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रेखा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय दत्त, सिमी की फिल्म-२
८. अभिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मस्त तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीनो रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली अक्षय, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ सांसे को कसती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी के जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम मस्तूल की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'पाइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारें की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरे मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. विजेय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, साधना की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुरा लो दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी बाहों में कायू' गीत वाले जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सजिये' गीत वाली फिल्म-३
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2646

सूडोकु -2647

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2646 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 2647

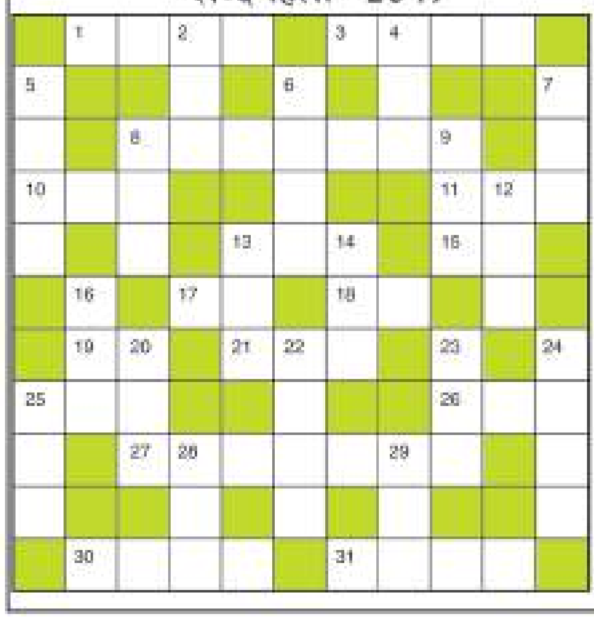

बाएं से दाएं

1.ईश कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोका, पाकशाला-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -2646 का हल

नवंबर के अंत में फिर से शुरू होगी इजरायली बास्केटबॉल सुपर लीग

जेरूसलम। इजरायली बास्केटबॉल सुपर लीग, जिसे इजरायल-हमास संघर्ष के कारण 7 अक्टूबर को निलंबित कर दिया गया था, 25 नवंबर को फिर से शुरू होगी। इजरायली बास्केटबॉल सुपर लीग एडमिनिस्ट्रेशन (बीएसएल) द्वारा रविवार को इस निर्णय की घोषणा की गई, जिसमें कहा गया कि खेल टीमों के घरेलू मैदानों पर आयोजित किए जाएंगे,जब तक कि इजरायल के होम फ्रंट कमांड के अद्यतन निर्देशों के कारण यह असंभव न हो। सुरक्षा स्थिति के कारण, बीएसएल ने यह भी निर्णय लिया कि पूरे सीज़न में विदेशी खिलाड़ियों के स्थानांतरण की संख्या पर कोई सीमा नहीं होगी बता दें कि युद्ध के कारण कई विदेशी खिलाड़ियों ने अपनी इजरायली टीमों को छोड़ दिया है।

जय शाह ने अहमदाबाद में दस लाखवें प्रशंसक के स्वागत पर जताई खुशी

नई दिल्ली। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप ने अहमदाबाद में अपने दस लाखवें प्रशंसक का स्वागत किया, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने इस मील के पत्थर पर खुशी व्यक्त की और प्रशंसकों, राज्य संघों और टूर्नामेंट के प्रत्येक हितधारक को उनकी कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद दिया।

आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 अब तक के सबसे अधिक दर्शकों वाले आईसीसी टूर्नामेंट का रिकॉर्ड तोड़ने की राह पर है। शुक्रवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच मैच के दौरान दस लाखवां प्रशंसक टर्नस्टाइल के माध्यम से आया, यह वही मैदान है जो 19 नवंबर को विश्व कप फाइनल की मेजबानी करेगा। शाह ने ट्वीट किया, हमारा लक्ष्य इस विश्व कप को अब तक का सबसे महान टूर्नामेंट बनाना था और मुझे वास्तव में खुशी है कि हमने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। हमारे समर्पित प्रशंसकों, राज्य संघों और प्रत्येक हितधारक को मेरा हार्दिक धन्यवाद, जिन्होंने इस मेगा आयोजन के लिए अथक परिश्रम किया। जैसा कि अब हम महत्वपूर्ण घरेलू चरण के करीब पहुंच रहे हैं, हम इसमें शामिल सभी लोगों के लिए वास्तव में यादगार अनुभव प्रदान करने के लिए आईसीसी के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। सबसे अच्छा अभी आना बाकी है!

आईसीसी के इवेंट प्रमुख क्रिस टेटली का मानना है कि टूर्नामेंट पहले ही काफी सफल रहा है और वह नॉकआउट चरण के दौरान और अधिक रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद कर रहे हैं। टेटली ने कहा, दस लाख से अधिक दर्शकों के साथ, आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 ने दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों को एकदिवसीय प्रारूप में समर्थन और रुचि की याद दिला दी है, जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि विश्व कप क्रिकेट का कितना महत्व दिया जाता है।

पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप की तैयारियों को लेकर अमनदीप लाकड़ा ने कहा- हम अपने सर्कल प्रवेश पर अतिरिक्त जोर देंगे

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के प्रमुख सदस्य अमनदीप लाकड़ा ने आगामी एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 पर चर्चा करते हुए कहा कि टीम सर्कल में प्रवेश पर अतिरिक्त जोर देगी। उन्होंने 11वें सुल्तान जोहोर कप 2023 को लेकर अपने विचार और अनुभव भी साझा किए, जहां भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता था।अमनदीप ने कहा कि यूरोपीय टीमों के खिलाफ टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने से उन्हें सीखने के अद्वितीय अवसर मिले। उन्होंने कहा, मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है कि कैसे खेलना है और मैं इस अनुभव का उपयोग आगामी विश्व कप में करना चाहूंगा।अमनदीप 11वें सुल्तान जोहोर कप 2023 के दौरान पांच मैचों में छह गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर रहे थे। जब उनसे इस उपलब्धि के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया, अतीत में, मुझे अवसरों को बदलने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा, अक्सर घबराहट के साथ संघर्ष करना पड़ा। हालांकि, जैसे-जैसे मुझे परिवर्तन करने की अपनी क्षमता पर विश्वास हुआ, इसने मुझे आत्म-सुधार की अपनी यात्रा में और भी अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा, अमनदीप ने सुल्तान जोहोर कप 2023 में अपने पेनल्टी कॉर्नर (पीसी) रूपांतरण में उल्लेखनीय प्रगति की, और उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपनी ड्रैग फ्लिकिंग तकनीक को निखारने पर समर्पित ध्यान को दिया।

विश्वकप सेमीफाइनल को लेकर द्रविड़ ने कहा-दबाव तो होगा, लेकिन इससे टीम के दृष्टिकोण में कोई बदलाव नहीं आएगा

नई दिल्ली। भारत अब लगातार चौथी बार एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुका है, हालांकि पिछले दो संस्करणों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। सेमीफाइनल मुकाबले को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम को कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि दबाव तो होगा, लेकिन इससे टीम के दृष्टिकोण या तैयारी में कोई बदलाव नहीं आएगा।

द्रविड़ ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, हम मानते हैं कि यह एक महत्वपूर्ण मैच है, यह एक नॉकआउट मैच है, हमें इस तथ्य को स्वीकार करना होगा कि कुछ हद तक दबाव होगा लेकिन मुझे लगता है कि जिस तरह से हमने अब तक दबाव का जवाब दिया है वह हमें बहुत ढेर सारा आत्मविश्वास देगा और टीम के दृष्टिकोण या तैयारी में कोई बदलाव नहीं आएगा।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि हम जिस तरह से तैयारी करते

हैं या सेमीफाइनल के लिए जिस तरह से योजना बना रहे हैं, उसमें हम कुछ भी बदलाव करेंगे। मैं वास्तव में आश्वस्त हूं कि समूह में जो उत्साह है, समूह में जो ऊर्जा है, समूह में जो आत्मविश्वास है, वह इस समय वास्तव में अच्छा है। हम बस इतना कर सकते हैं कि जो हमारे सामने है उसे खेलें, अगले मैच पर ध्यान केंद्रित करें, वर्तमान क्षण में रहें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करें। आपके पास क्रिकेट का कोई भी मैच जीतने की कोई गारंटी नहीं है, आप वास्तव में अच्छी तैयारी कर सकते हैं, अच्छी योजना बना सकते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। मैं वास्तव में उम्मीद कर रहा हूं कि हम अगले कुछ दिनों में ऐसा ही करेंगे और उम्मीद है कि हम वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेलेंगे।

बता दें कि नीदरलैंड के खिलाफ आखिरी लीग मैच में जीत की नींव भारत के बल्लेबाजों ने रखी, जिन्होंने 4 विकेट पर 410 रन बनाए, शतकवीर केएल राहुल और श्रेयस अय्यर ने चौथे विकेट के लिए 128 गेंदों पर 208 रन की साझेदारी की। अय्यर ने नाबाद 128 और राहुल ने 102 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड की टीम 47.5 ओवरों में 210 रन पर सिमट गई। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने 2-2 व विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा ने 1-1 विकेट लिया।

विश्व कप क्वालीफायर के लिए कोलंबियाई टीम में शामिल हुए लुइस डियाज़

बोगोटा। ब्राजील और पैराग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए कोलंबियाई फुटबॉल टीम घोषित हो गई है। कोलंबिया के मैनेजर नेस्टर लोरेंजो ने लिवरपूल के विंगर लुइस डियाज़ को टीम में वापस बुलाया है। रिपोर्ट के अनुसार, डियाज़ के पिता लुइस मैनुअल डियाज़ को गुरिल्ला समूह द्वारा 13 दिनों की कैद के बाद रिहा किए जाने के कुछ ही

घंटों बाद कोलंबियाई फुटबॉल फेडरेशन ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर टीम की घोषणा की। लोरेंजो ने प्रभावशाली साओ पाउलो के प्लेमेकर जेम्स रोड्रिग्ज और मिडफील्डर झोन एरियास का भी टीम में शामिल किया है, जो पिछले शनिवार को कोपा लिबर्टाडोरेस फाइनल में बोका जूनियर्स को हराने वाली फ्लुमिनेंस टीम के प्रमुख सदस्य थे। हालांकि अनुभवी येरी मीना, जुआन गुइलेर्मो कुआड्राडो और रेडमेल फाल्काओ को टीम में शामिल नहीं किया गया है।

कोलंबिया का सामना 16 नवंबर को बैरेंक्विला में ब्राजील से और पांच दिन बाद असुनसियन में पराग्वे से होगा। कैफेटेरोस वर्तमान में अपने पहले चार क्वालीफायर से छह अंकों के साथ 10-टीम दक्षिण अमेरिकी समूह में पांचवें स्थान पर है।

कोलंबियाई टीम इस प्रकार है-

गोलकीपर: कैमिलो वर्गास, अल्वारो मोंटेरो और केविन मियर।

डिफेंडर: डेविंसन सांचेज, कार्लोस कुएस्टा, झोन लुकुमी, विलेर डिट्टा, यर्सन मॉस्क्वेरा, सैंटियागो एरियास, डैनियल मुनोज, डेवर मचाडो और क्रिस्टियन बोरजा।

मिडफील्डर: जेम्स रोड्रिग्ज, मैथियस उरीबे, जेफरसन लेर्मा, केविन कास्टानो, रिचर्ड रियोस, जैमिन्टन कैंपाज़, जॉन एरियास, जॉर्ज कैरास्कल और यासेर एस्प्रिला।

भारत के गेंदबाजी प्रयोगों पर रोहित ने कहा-हम देखना चाहते थे कि हम क्या हासिल कर सकते हैं

बेंगलुरु। नीदरलैंड के खिलाफ रविवार को खेले गए विश्व कप के आखिरी लीग मैच में विराट कोहली ने 2014 और कप्तान रोहित शर्मा ने 2012 के बाद अपना पहला एकदिवसीय विकेट लिया। यह मैच भारत ने 160 रन से जीता और विश्व कप में लगातार अपने नौवें मैच में जीत दर्ज की।

भारत मैच में पांच फ्रंटलाइन गेंदबाजी विकल्पों के साथ उतरा, लेकिन कप्तान रोहित सेमीफाइनल के मद्देनजर प्रयोग करने के मूड में थे। इसके कारण सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल सहित पार्ट-टाइमर्स द्वारा लगभग आठ ओवर फेंके गए। रोहित ने मैच के बाद कहा, जब आपके पास पांच गेंदबाज होते हैं तो यह हमेशा हमारे दिमाग में रहता है।आप टीम के भीतर विकल्प बनाना चाहते हैं और मुझे लगता है कि अब हमारे पास वह विकल्प है। मैच में हमारे पास नौ विकल्प थे। यह महत्वपूर्ण है। यह वह मैच था जहां हम कुछ चीजों को आजमा सकते थे। एक गेंदबाजी इकाई के रूप में हम कुछ अलग करने की कोशिश करना चाहते थे और देखना चाहते थे कि हम क्या हासिल कर सकते हैं।

भारत टूर्नामेंट में हार्दिक पांड्या और शार्दुल ठाकुर के साथ

पांचवें और छठे गेंदबाजी विकल्प के साथ आया था, लेकिन पांड्या टखने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। भारत अंतिम एकादश में आर. अश्विन या ठाकुर को लाने के बजाय छह विशेषज्ञ बल्लेबाजों और पांच फ्रंटलाइन गेंदबाजों के साथ उतरा। पार्ट टाइमर खिलाड़ियों के विकेट लेने और मध्यक्रम के बल्ले से शानदार प्रदर्शन के साथ, भारत ने नॉकआउट से पहले अपनी बेंच स्ट्रेंथ का प्रदर्शन किया है।

नीदरलैंड के खिलाफ जीत की नींव भारत के बल्लेबाजों ने रखी, जिन्होंने 4 विकेट पर 410 रन बनाए, शतकवीर केएल राहुल और श्रेयस अय्यर ने चौथे विकेट के लिए 128 गेंदों पर 208 रन की साझेदारी की। अय्यर ने नाबाद 128 और राहुल ने 102 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड की टीम 47.5 ओवरों में 210 रन पर सिमट गई। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने 2-2 व विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा ने 1-1 विकेट लिया।

मैं बस में भी, कुलदीप की गेंदबाजी का अध्ययन करने की कोशिश कर रहा था तेजा निदामानुरु

बेंगलुरु। नीदरलैंड के मध्यक्रम के बल्लेबाज तेजा निदामानुरु ने बेंगलुरु में भारत के खिलाफ विश्व कप के आखिरी लीग मैच में 39 गेंदों में 54 रन की पारी खेली, इस दौरान उन्होंने छह छक्के लगाए। इस दौरान उन्होंने भारत के बेहतरीन स्पिनर कुलदीप यादव की गेंद पर एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से इनसाइड-आउट शॉट लगाकर एक छक्का लगाया, जो देखने में और तकनीकी रूप से बेहतरीन शॉट था।

यह उस तरह का शॉट है जिसे नीदरलैंड के बल्लेबाजों ने अपने विश्व कप अभियान से पहले बेंगलुरु में कई शिविरों में अभ्यास करने की कोशिश की थी। हो सकता है कि निदामानुरु के पास अभी तक शॉट का रीप्ले देखने का समय न हो, लेकिन यह निश्चित रूप से किसी भी हाइलाइट रील की तरह था,और विजयवाड़ा की एक छोटी यात्रा के दौरान वह इसे कई बार प्यार से देख सकते हैं, जहां उनका परिवार है रहता है। मैच के बाद ईएसपीएनक्रिकइंफो से बातचीत में निदामानुरु ने कहा, हम मेहनती होने की कोशिश करते हैं और विश्लेषण के संदर्भ में अपने पैकेजों पर नजर रखते हैं। कुलदीप विश्व स्तरीय है और उसने कई विकेट लिए हैं। मैं

मैदान में जाते समय बस में भी उनकी गेंदबाजी का अध्ययन करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा, इनसाइड-आउट शॉट लगाना थोड़ा कठिन था, क्योंकि कुलदीप को टर्न के विपरीत और लॉन्ग-ऑफ क्षेत्ररक्षक को छकाने के लिए पर्याप्त ऊंचाई के साथ हिट करना मुश्किल था। मैंने उनकी कलाई के वीडियो देखें, और अच्छे इरादे और सकारात्मकता के साथ, मैंने यह शॉट लगाया। बता दें कि रविवार को भारत द्वारा दिये गए 411 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स की टीम ने कभी भी भारत को चुनौती नहीं दी, निदामानुरु को छोड़कर कोई भी अर्धशतक तक पहुंचने में कामयाब नहीं हुआ और अंततः वे 47.5 ओवर में 250 रन पर ऑल आउट हो गए। नीदरलैंड को विश्व क्रिकेट लीग 2 के हिस्से के रूप में फरवरी में नेपाल के खिलाफ एकदिवसीय मैचों का एक सेट खेलना है। अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वे जल्द ही अपना ध्यान टी20 क्रिकेट पर भी केंद्रित करेंगे, जिसकी शुरुआत एसए20 टीमों के खिलाफ कुछ अभ्यास मुकाबलों से होगी।

निदामानुरु ने कहा, नेपाल में खेल हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। मुझे लगता है कि हमें पिछले सात हफ्तों में इस टूर्नामेंट से जो कुछ मिला है, उसे अपने सीखने के पैकेज को बनाए रखना होगा और जब तक हम आगे की ओर देखते रहेंगे, तब भी इसे बनाए रखना होगा।

भारत में फुटबॉल अकादमी शुरू करेंगे ओलिवर काह्न

मुंबई। जर्मनी और एफसी बायर्न म्यूनिख के दिग्गज ओलिवर काह्न भारत में अपनी अकादमी शुरु करेंगे। यह पहल महाराष्ट्र में प्रो 10 के साथ साझेदारी में साकार हुई है। इसका उद्देश्य देश में फुटबॉल के विकास में क्रांति लाना और इसकी विशाल क्षमता का दोहन करना है।

ओलिवर काह्न अकादमी व्यापक फुटबॉल शिक्षा का केंद्र बनने के लिए तैयार है, जो न केवल खिलाड़ियों बल्कि अच्छी तरह से विकसित एथलीटों को तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। महत्वाकांक्षी योजना में पूरे भारत में फुटबॉल क्लबों और खेल अकादमियों और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ी अकादमियां स्थापित करना शामिल है। साथ ही, भारत के विभिन्न क्षेत्रों में गोलकीपर अकादमियां स्थापित की जाएंगी, जो गोलकीपिंग के लिए उत्कृष्टता केंद्र बनेंगी, जो अक्सर किसी भी सफल टीम की रीढ़ होती है। महाराष्ट्र में प्रो 10 के साथ साझेदारी इस पहल का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो ओलिवर काह्न अकादमी को इस क्षेत्र में एक मजबूत पकड़ स्थापित करने और फुटबॉल विकास के लिए एक मॉडल के रूप में काम करने में सक्षम बनाता है। योजना के बारे में ओलिवर ने कहा, 'भारत फुटबॉल में काफी संभावनाओं वाला देश है। इस देश को खेल के विकास के लिए सही फुटबॉल शिक्षा, एक अनुशासित पाठ्यक्रम और विश्व स्तरीय सुविधाओं की आवश्यकता है। हमारा लक्ष्य भारत को बेहतर खेल वाला देश बनाना है और मुझे विश्वास है कि इस देश में वैश्विक फुटबॉल मंच पर फलने-फूलने की क्षमता है।' कौशिक मौलिक, (वरिष्ठ सलाहकार भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया, ओलिवर कान अकादमी और गोलप्ले) ने कहा, "हमें भारत में ओलिवर काह्न अकादमी और गोलप्ले अकादमी शुरू करने पर गर्व है। ओलिवर काह्न के उत्कृष्ट अनुभव और खेल के ज्ञान की बदौलत हम भारत के युवाओं को विश्व स्तरीय फुटबॉल शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे एकजुट प्रयासों का निश्चित रूप से भारतीय फुटबॉल पर लाभकारी प्रभाव पड़ेगा। हम भारत को देखने वाले देश से खेलने वाले देश में बदलकर अगले स्तर पर ले जाना चाहते हैं।

विश्वकप 2023: भारत ने दर्ज की लगातार 9वीं जीत, नीदरलैंड को 160 रन से हराया

बेंगलुरु। भारत ने विश्वकप 2023 में अपने विजयी अभियान जारी रखते हुए अपने आखिरी लीग मुकाबले में नीदरलैंड को 160 रनों से मात दी है। इस विश्वकप में यह भारत की लगातार नौवीं जीत रही।

भारत की ओर से मिले 412 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे नीदरलैंड ने पावरप्ले में अच्छी शुरुआत की लेकिन उसे ज्यादा देर तक मेनटेन नहीं कर सकी। हालांकि काफी मशक्कत के बाद भी नीदरलैंड टीम के लिए सिर्फ तेजा निदामुनेरू (54 रन) ही एकमात्र बल्लेबाज रहे जिन्होंने अर्धशतक बनाया। नीदरलैंड के लिए मैक्स ओवुड ने 30, एकरमैन ने 35 और एंजलब्रेच ने 45 रन का योगदान दिया। इस तरह पूरी टीम 250 के कुल योग पर 48 ओवर में ऑलआउट हो गई। भारत के लिए बुमराह,

सिराज, कुलदीप यादव और जडेजा ने दो-दो विकेट लिए। जबकि कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 411 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम इंडिया के लिए जहां कप्तान रोहित शर्मा (61) और शुभमन गिल (51) ने शानदार नींव रखी। दोनों बल्लेबाजों ने तेज तर्रार पारी खेलते हुए 12 ओवर में 100 रन की साझेदारी की। इस स्कोर पर शुभमन गिल का विकेट भी गिरा। रोहित ने कोहली के साथ मिलकर 29 रन जोड़े ही थे कि रोहित भी आउट हो गए। फिर कोहली ने श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। इस बीच कोहली ने अपना अर्धशतक भी पूरा किया। हालांकि अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद कोहली भी पवेलियन लौट गए। इसके बाद अय्यर और केएल राहुल ने तूफानी बल्लेबाजी शुरू की। दोनों ने अगले 127 गेंदों में 208 की साझेदारी की। राहुल ने 102 रन की पारी खेली। जबकि अय्यर 128 रन बनाकर नाबाद रहे। नीदरलैंड की ओर से बास दे लीडे को दो सफलता मिली। जबकि वान डर मर्वे और मीकेरन को एक-एक विकेट मिला।

पहले सेमीफाइनल में भारत का सामना न्यूजीलैंड से, भारतीय टीम के पास 2019 की हार का बदला लेने का मौका

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में 15 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड का सामना करेगी। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में 16 नवंबर को कोलकाता के ईडन गार्डन में दक्षिण अफ्रीका का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सेमीफाइनल मुकाबले के कार्यक्रम की जानकारी दी।भारत और न्यूजीलैंड के बीच सेमीफाइनल मुकाबला 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबले की पुनरावृत्ति होगी। उस मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व वाली भारतीय टीम को एक रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड ने शिकस्त दी थी और करोड़ों भारतीयों का दिल तोड़ा था। महेंद्र सिंह धोनी का भी वो आखिरी एकदिवसीय मैच और विश्व कप

साबित हुआ। भारतीय टीम अब उस मुकाबले की हार का बदला लेना चाहेगी। भारतीय टीम अब तक इस विश्व कप में अजेय रही है और अभी तक खेले अपने 8 मुकाबलों में जीत दर्ज की है। भारत अपने आखिरी लीग मुकाबले में कल नीदरलैंड का सामना करेगा, जबकि न्यूजीलैंड की टीम ने लीग चरण में अपने 9 मुकाबलों में 5 में जीत दर्ज की है, जबकि 4 में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

विराट कोहली ने 51 रन बनाकर बराबर किया सचिन-शाकिब का रिकॉर्ड

बेंगलुरु (कर्नाटक)। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली आईसीसी के एक संस्करण में सर्वाधिक 50+ स्कोर बनाने के मामले में हमवतन और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की बराबरी पर आ गए हैं। क्रिकेट विश्व कप में बेंगलुरु के मैदान पर नीदरलैंड के खिलाफ विराट ने 56 गेंदों में 5 चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाए। विराट का यह इस विश्व कप में 2 शतक समेत 7वां 50+ स्कोर था। उन्होंने सचिन की बराबरी कर ली है, जिन्होंने 2003 क्रिकेट विश्व कप में 7 पचास से अधिक स्कोर (एक शतक और छह अर्द्धशतक) किए थे। इसी तरह शाकिब ने भी 2019 विश्व कप में 2 शतक और 5 अर्द्धशतक के साथ 7 पचास से अधिक स्कोर बनाए थे। विराट टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

हैमस्ट्रिंग चोट के कारण तेम्बा बावुमा का सेमीफाइनल में खेलना संदिग्ध

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा का एकदिवसीय विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल मुकाबले में खेलना संदिग्ध है। शुक्रवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के अंतिम लीग मैच में बावुमा को हैमस्ट्रिंग की चोट लगी थी। यह मैच दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट से जीता था। बावुमा ने पहली पारी की नौ गेंदों के बाद मैदान छोड़ दिया, और चार ओवर बाद लौटे लेकिन ज्यादातर मिड-ऑफ पर क्षेत्ररक्षण करते समय लंगड़ाते रहे। क्षेत्ररक्षण करते समय वह गेंदों के पीछे सावधानी से दौड़ते थे। इसके बाद जब बल्लेबाजी करने आए तो दौड़ते समय लड़खड़ाते थे, खासकर सिंगल लेते समय। बावुमा ने मैच के बाद कहा, जाहिर तौर पर मेरे पैर में दर्द है कुछ पता नहीं किस हद तक कुछ लेकिन यह सेमीफाइनल तक ठीक हो जाना चाहिए। जाहिर तौर पर मेरे पास बाहर आने का

विकल्प था, लेकिन मुझे लगता है कि चूंकि यह हमारा आखिरी ग्रुप-स्टेज मैच था, इसलिए शायद प्ले-ऑफ के संदर्भ में इसका कोई बड़ा असर नहीं था। लेकिन मैं मैदान में टीम के साथ रहना चाहता था। यह मेरे लिए बीच में बल्लेबाजी करते समय कुछ समय बिताने का मौका था, इसलिए मैं यह मौका जाने नहीं देना चाहता था। मैदान पर रहना थोड़ा जोखिम भरा था - लेकिन मुझे उस समय यही सही लगा। यदि बावुमा सेमीफाइनल खेलने के लिए उपलब्ध नहीं हैं, तो संभवत: गुरुवार को कोलकाता में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, एडेन मार्करम दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करेंगे। इससे पहले जब बावुमा बीमारी के कारण इंग्लैंड और बांग्लादेश के खिलाफ मैच नहीं खेल पाए थे तो मार्करम ने टीम की कप्तानी की थी, जबकि रीजा हेंड्रिक्स ने बल्लेबाजी की शुरुआत की थी।

ACTION INDIA
एक्शन इंडिया
Front Page - 2
एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 15 नवंबर 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653
RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

फास्ट न्यूज

नमामि गंगे की मूर्तियों को इको-फ्रेंडली विसर्जित करने की अपील

टीम एक्शन इंडिया/वाराणसी
पांच दिवसीय दीप पर्व के तीसरे दिन मंगलवार को नमामि गंगे ने आमजन से मूर्तियों का इको-फ्रेंडली विसर्जन की अपील की है। मंगलवार को नमामि गंगे के काशी क्षेत्र संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि दीपावली पर्व पर लगभग हर घर में श्री गणेश और लक्ष्मी जी की नई मूर्तियों की पूजा होती है लेकिन, पुरानी मूर्ति का क्या होगा ? ज्यादातर लोग मूर्तियों को गंगा में प्रवाहित कर देते हैं। कुछ लोग पेड़ के नीचे रख देते हैं। हमारा लोगों से विनम्र निवेदन है कि एक टब पानी में थोड़ा गंगा जल डाल कर इन मूर्तियों को उसमें रख दें। एक-दो दिन में मूर्ति स्वत: उस में घुल जाएगी। मूर्ति घुले जल को किसी गमले या पेड़ की जड़ में डाल सकते हैं। आपका यह प्रयास मूर्ति का सम्मानजनक विसर्जन तो होगा ही मां गंगा सहित अन्य नदियों को स्वच्छ रखने को उठाया गया सार्थक कदम भी होगा। राजेश शुक्ला ने अपने सहयोगियों के साथ मणिकर्णिका तीर्थ रत्नेश्वर महादेव के सामने गंगा की तलहटी से काफी मात्रा में मूर्ति, ईश्वर की फोटो फ्रेम तस्वीरें, धार्मिक वस्तुएं, पुराने कपड़े निकाल कर सुरक्षित स्थान पर रखा।

'आईएनडीआईए के चाहने से समाप्त नहीं होगा सनातन'

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ
राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने मध्य प्रदेश के चुनाव प्रचार से लखनऊ लौटने के बाद मीडिया से बातचीत में आईएनडीआईए गठबंधन पर निशाना साधा है। उन्होंन मंगलवार को कहा कि आईएनडीआईए ने सनातन संस्कृति को समाप्त करने की बात कही थी। विपक्ष के गठबंधन के चाहने से सनातन समाप्त नहीं होगा।
डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि सनातन संस्कृति और राष्ट्रवाद से भारत देश चल रहा है। आगे भी हमारा देश इसी तरह से चलता रहेगा। इतिहास में देश के सनातनी विचार को समाप्त करने की तमाम बातें हुई हैं। फिर आज तक भारत की संस्कृति को कोई कमजोर नहीं कर सका है। बल्कि संस्कृति और मजबूत ही हुई है। उन्होंने कहा कि विपक्ष में कांग्रेस के नेताओं के बयान बेतुके आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी में शामिल स्वामी प्रसाद जैसे नेता तो उटपटांग बयान के लिए ही जाने जाते हैं। वर्तमान समय में स्वामी प्रसाद मौर्य जिस पार्टी में शामिल हैं, वहां ऐसी ही बातें करके सुर्खियां बटोरते रहते हैं। स्वामी के बयान के पीछे उनके पार्टी के लोग हैं।

लंबे समय से कार्यरत संविदा कर्मी को नियमित नहीं करने पर मांगा जवाब

जयपुर: राजस्थान हाईकोर्ट ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से प्लेसमेंट एजेन्सी के जरिए कार्यरत संविदा कर्मियों को नियमित नहीं करने पर प्रमुख चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक, वित सचिव और सीकर सहित दो जिलों के सीएमएचओ को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि यदि ये संविदाकर्मी संतुष्टिजनक तरीके से काम कर रहे हैं तो उसे सेवा से नहीं हटाया जाए।

'यूपी में माफिया दूसरे लोक की यात्रा पर चले गए'

योगी आदित्यनाथ ने मध्य प्रदेश में तीसरे दिन भाजपा के आठ प्रत्याशियों के लिए मांगा जनसमर्थन

धुआंधार प्रचार

यूपी विधानसभा में हाथ की दो और हाथी की एक सीट, मप्र में नहीं खुलना चाहिए इनका खाता: योगी

टीम एक्शन इंडिया/रीवा/छतरपुर/भिंड
यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मध्य प्रदेश में धुआंधार जनसभा चल रही है। योगी आदित्यनाथ मंगलवार को तीसरे दिन यहां पहुंचे और आठ प्रत्याशियों के पक्ष में विकास के लिए कमल खिलाने की अपील की। सीएम योगी ने जहां शिवराज सिंह चौहान के कार्यों की दौलत भाजपा को वोट देने की अपील की तो वहीं कांग्रेस के जनविरोधी क्रियाकलापों पर तंज भी कसा। सीएम ने कहा कि जो कांग्रेस सुरक्षा व विकास नहीं कर सकती, उस बोझ को ढोने का क्या फायदा। सीएम बसपा पर भी हमलावर रहे। उन्होंने लोगों से पूछा कि खजुराहो से लखनऊ जाते समय कहीं वसूली तो नहीं होती- मध्यप्रदेश की जनता ने एक सुर से कहा-नहीं। उन्होंने इसी सुशासन के बलबूते यहां फिर से कमल खिलाने का आह्वान किया। सेमरिया में सीएम योगी ने कई लोगों को भाजपा जॉइन कराई।
मप्र में नहीं खुलना चाहिए हाथ और हाथी का खाता: सीएम योगी आदित्यनाथ ने सेमरिया से विधायक व भाजपा उम्मीदवार केपी त्रिपाठी के पक्ष में वोट मांगा। सीएम ने पूछा कि अयोध्या का दीपोत्सव अच्छा लगा? कांग्रेस होती तो न दीपोत्सव मन पाता और न ही राम मंदिर बन पाता। कांग्रेस सुरक्षा व विकास नहीं कर सकती तो फिर इस बोझ को सिर पर ढोने से क्या फायदा है

'शिवराज सिंह चौहान ने विकास को बढ़ाया'

पीएम मोदी व 20 वर्ष में शिवराज सिंह चौहान ने विकास को बढ़ाया है, उसी का परिणाम है कि मध्य प्रदेश बीमारू से उठकर विकसित राज्य की ओर अग्रसर हुआ है। कोल समाज के पूर्वजों ने संकट के समय भगवान राम के सहयोगी बनकर चित्रकूट में शरण दी थी, भगवान राम ने 12 वर्ष तक रहकर उस क्षेत्र को अभय प्रदान किया। कांग्रेस ने कोल, थारू, चेरू, वनवासी व गिरवासी को सिर्फ गुमराह किया। पहली बार समाज के हर तबके के लिए बिना जाति-मजहब देखे पीएम मोदी ने सबका साथ, सबका विकास किया। सीएम ने कहा कि हाथ का पंजा दिखाकर कांग्रेस ने देश को बेवकूफ बनाने का कार्य किया है और बहन जी की हाथी का पेट इतना बड़ा है कि यह मध्य प्रदेश को हजम कर जाएगा।

'जो 70 वर्ष में नहीं हो पाया, वह आजादी के अमृत महोत्सव में पूरा हो गया'

टीम एक्शन इंडिया/ग्वालियर
सीएम योगी ने ग्वालियर साउथ से श्रीनारायण सिंह कुशवाह, ग्वालियर पूर्व से माया सिंह व ग्वालियर से प्रद्युम्न सिंह तोमर के लिए जनसमर्थन मांगा। सीएम ने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन की बात आती है तो राजमाता विजया राजे सिंधिया का स्मरण हो उठता है। कोई आंदोलन नहीं था, जिसमें उनकी सक्रिय भूमिका न रही हो। मध्य प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आवश्यक है। आपका आह्वान करने हिंदुत्व की आधारभूमि ग्वालियर में विशेष रूप से आया हूं। सीएम योगी ने कहा कि ग्वालियर का एयरपोर्ट भव्य बन रहा है। एक समय यहां 15 सौ यात्री बैठ सकते हैं। रामायण में हम पढ़ते थे कि श्रीराम जी पुष्पक विमान से अयोध्या वापस आए थे। आज हर व्यक्ति को पुष्पक विमान में बैठने का अवसर मिल रहा है। आजादी के 70 वर्षों में यह नहीं हो पाया था, लेकिन देश जब आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा था तब यह सपना भी साकार हो रहा था। इसे साकार होते हम सबने देखा है। हवाई चप्पल पहनने वाला भी अब हवाई यात्रा कर रहा है। सीएम योगी ने कहा कि भगवान राम का नाम लेने पर समाज जोड़ने का संकल्प इससे जुड़ा होता है। वनवासियों व जनजातियों के सहयोग से राक्षसी ताकतों को नेस्तनाबूद कैसे किया जा सकता है, यह ताकत भी श्रीराम ने शबरी के जूठे बेर में देखे थे।

'कांग्रेस ने जनता के हर वर्ग के साथ धोखा किया'

टीम एक्शन इंडिया/फलोदी / जोधपुर
केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने जनता के हरवर्ग के साथ धोखा किया है। राजस्थान की जनता इसे उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। शेखावत ने जनता से फलोदी से भाजपा प्रत्याशी पब्बाराम विश्नोई को पिछले चुनाव में जिताने के लिए आभार व्यक्त करते हुए इस चुनाव में भारी बहुमत से विजयी बनाकर विधानसभा में भेजने का आह्वान करते हुए सघन चुनावी जनसम्पर्क किया। इस दौरान उन्होंने करीब एक दर्जन सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने वादे खूब किए, लेकिन एक भी वादा समय पर पूरा नहीं किया। इस सरकार ने किसानों के ऋण माफ करने का वादा किया, उसे पूरा नहीं किया। बेरोजगारों को भत्ता नहीं दिया। युवकों को नौकरियां नहीं दी। उल्टे पेपर लीक माफिया पनप गए, जिससे युवकों में निराशा है। महिलाओं के प्रति अपराधों में राजस्थान को अव्वल बना दिया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि जब भाजपा सरकार प्रदेश में थी, वह केन्द्र की हर योजना में प्रथम था, लेकिन कांग्रेस सरकार आते ही पिछड़ गया। अब जब प्रदेश को घर-घर पानी पिलाने का काम आया। राजस्थान इसमें भी पिछड़ गया। जल जीवन मिशन में लाइन डालने के काम में भी भेदभाव किया। जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार हो रहा है। फलोदी विधानसभा क्षेत्र में शेखासर, जैमला, सिहड़ा, टेकरा सहित अनेक स्थानों पर चुनावी चौपाल में शामिल होने का सौभाग्य मिला।

भारी बहुमत

कांग्रेस ने जनता के हरवर्ग के साथ धोखा किया है। जनता इसे उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है: शेखावत

सीएजी की स्थापना दिवस पर मनेगा ऑडिट सप्ताह

प्रयागराज: सीएजी की स्थापना दिवस (16 नवम्बर) के उपलक्ष्य में भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग 16 से 23 नवम्बर तक ऑडिट सप्ताह मनायेगा। इसमें प्रयागराज स्थित सभी सीएजी के अधीनस्थ कार्यालयों के कर्मचारियों, अधिकारियों तथा उनके परिवारों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।
यह जानकारी प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा प्रथम) उत्तर प्रदेश, प्रयागराज के मीडिया प्रभारी राजेश कुमार तिवारी ने दी है। उन्होंने बताया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) भारतीय लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण प्रहरी है, जो भ्रष्टाचार के विरुद्ध भारत की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

'कांग्रेस वादे करती है और चुनाव जीतने के बाद भूल जाती है'

बेटियों को केजी से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट होने तक मुफ्त शिक्षा दी जाएगी: राजनाथ सिंह

टीम एक्शन इंडिया/रतलाम/सिवनी मालवा/हरदा
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा जो कहती है, उसका पालन करती है। लेकिन चुनाव आते ही कांग्रेस नारे देती है, वादे करती है और चुनाव जीतने के बाद भूल जाती है। राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जावरा, सिवनी मालवा और हरदा में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियों को केजी से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट होने तक मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। कमलनाथ सरकार ने 15

महीनों की सरकार में जनहितैषी योजनाओं को बंद कर दिया, लेकिन अब यह नहीं होने वाला क्योंकि अधिकतर राज्यों में भाजपा की सरकार बन रही है और केंद्र में भी भाजपा की सरकार और अधिक बहुमत के साथ बनने जा रही है।
राजनाथ सिंह ने कहा कि देश में पिछले साढ़े नौ वर्षों से भाजपा की सरकार है और नीति आयोग कहता है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में साढ़े 13 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए हैं।

उपलब्धि

नीति आयोग कहता है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में साढ़े 13 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए

आज भारत को कमजोर भारत नहीं माना जाता, पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों को गंभीरता से नहीं सुना जाता था और आज विश्व सुनता है। पहले भारत की जीडीपी विश्व में 11 स्थान पर थी और आज भारत 5वें स्थान पर आ गया है।

बाल दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विभिन्न स्कूलों के बच्चों से मिलती हुई।

सुख-समृद्धि के लिए घरों व मंदिरों में मनाया अन्नकूट महोत्सव

टीम एक्शन इंडिया/मुरादाबाद
पांच दिवसीय दीपावली पर्व के चौथे दिन जिले के साथ ही पूरे प्रदेश में विधि-विधान के साथ सुख-समृद्धि के लिए घरों व मंदिरों में अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। गोवर्धन भगवान की पूजा की गई। घरों और मंदिरों में प्रसाद चढ़ाकर परिवार की खुशहाली की कामना की गई। इससे चहुंओर भक्तिमय माहौल बना रहा। घर के बुजुर्गों ने बच्चों को दक्षिणा देकर परंपरा निभाई। इस मौके पर घरों में तैयार छप्पन भोग पकवानों का लोगों ने आनंद लिया। मुरादाबाद में गीता ज्ञान मंदिर कोठीवाल नगर, ऋणमुक्तेश्वर मंदिर बुद्धि विहार, राधा कृष्ण मंदिर दिल्ली रोड, माता मंदिर लाइनपार, शिव शक्ति मंदिर रामगंगा विहार, सत्य श्री शिव व शनि मंदिर आवास विकास, पुलिस लाइन मंदिर, अन्नपूर्णा माता मंदिर साहू मोहल्ला, श्री दुर्गा मंदिर नवीन नगर, ओम शिव हरी मनोकामना मंदिर रामगंगा विहार, मनोकामना श्री हनुमान मंदिर रेलवे कॉलोनी, राम मंदिर कटघर, संकट मोचन मंदिर विजयनगर सहित मुरादाबाद के अनेकों मंदिरों में अन्नकूट महोत्सव धूमधाम से मनाया गया भगवान श्री कृष्ण जी को छप्पन भोग लगाए गए और भंडारे का आयोजन हुआ।
शिव शक्ति मंदिर रामगंगा विहार के पुरोहित पंडित हेमंत भट्ट ने बताया कि दीपावली की अगले दिन कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा होती है।

सुख-समृद्धि

गोवर्धन भगवान की पूजा की गई। घरों और मंदिरों में प्रसाद चढ़ाकर परिवार की खुशहाली की कामना की गई

ओटीएस के बहाने बड़े बिजली चोरों को छूट, सीबीआई जांच की उठी मांग

विद्युत उपभोक्ताओं को एक मुस्त समाधान योजना की आड़ में बिजली चोरी में 65 प्रतिशत तक छूट दिया जा रहा

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ
राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने एक मुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के माध्यम से बिजली चोरी का छूट दिये जाने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही इसकी सीबीआई जांच की मांग की है। इस आरोप का कारण है, बिजली चोरी एक किलो वाट की हो, 1000 किलोवाट की हो या उससे ज्यादा, सभी कैटेगरी के विद्युत उपभोक्ताओं को एक मुस्त समाधान योजना की आड़ में बिजली चोरी में 65 प्रतिशत तक छूट दिया जा रहा है। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने विद्युत

नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय कुमार सिंह से मिलकर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि विद्युत अधिनियम 2003 का खुला उल्लंघन हो रहा है। आयोग तत्काल कार्रवाई करे। इसका खामियाजा प्रदेश के आदर्श विद्युत उपभोक्ता भुगतेंगे। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने संडीला में लगभग तीन करोड 87 लाख की बिजली चोरी और नोएडा में एक करोड की बिजली चोरी का आंकडा जारी करते हुए सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन बताए कि क्या इन्हें बिजली चोरी में छूट दिया जाना सही है ? पांच किलो वाट के ऊपर पूरे प्रदेश में लगभग 53011 विद्युत चोरी के मामले, जिन पर 1250 करोड का राजस्व निर्धारण है। उत्तर प्रदेश में बिजली चोरों को छूट दिए जाने का मामला काफी उलझता जा रहा है।
पावर कॉरपोरेशन की तरफ से एक मुस्त समाधान योजना के लिए जारी आदेश में बिजली चोरी को 65 प्रतिशत तक छूट दिए जाने के आदेश में एक नया मोड आ गया है।

जांच की मांग

जारी आदेश में बिजली चोरी को 65 प्रतिशत तक छूट दिए जाने के आदेश में एक नया मोड आ गया है

स्वामी प्रसाद-अखिलेश ने हिन्दुओं को अपमानित करने का बनाया है एजेंडा: नन्दी

टीम एक्शन इंडिया/प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने माता लक्ष्मी पर विवादित बयान देने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य पलटवार किया है। नन्दी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि सनातन विरोधी सोच और हिन्दुओं को अपमानित करने के कुत्सित प्रयासों का माकूल जवाब उत्तर प्रदेश की जनता 2024 के लोकसभा चुनाव में देगी। मंत्री नन्दी ने स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर कहा कि स्वामी

प्रसाद मौर्य लगातार सनातन आस्था और हिन्दुओं के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। उनकी जहरीली जबान पर लगाम लगाना तो बहुत दूर की बात है। अखिलेश यादव उनके आपत्तिजनक बयानों का न तो खण्डन करते हैं, न ही निन्दा। दोनों ने मिलकर हिन्दुओं को अपमानित करने का यह एजेण्डा निर्धारित किया है। नन्दी ने आगे लिखा है कि स्वामी प्रसाद मौर्य समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव के लिए भस्मासुर हैं। ऐसा लगता है कि उन्होंने सपा को समाप्त करने की सुपारी ली है। इसीलिए बची-खुची सपा का अस्थि विसर्जन करने पर उतारू हैं। जनता सब देख और समझ रही है। सनातन विरोधी सोच और हिन्दुओं को अपमानित करने के कुत्सित प्रयासों का माकूल जवाब उत्तर प्रदेश की जनता वोट के माध्यम से देगी और 80 की 80 सीटों से सपा का सूपड़ा साफ होना तय है।

कार्रवाई

धोखाधड़ी में लोगों ने कमाया दो करोड़ प्रोफिट, दो को न्यायिक हिरासत में भेजा

क्रिप्टो ठगों की सात गाड़ियां जब्त, एसआईटी की कार्रवाई

टीम एक्शन इंडिया/शिमला
क्रिप्टो करंसी ठगी मामले में एसआईटी ने बड़ी कार्रवाई की है। एसआईटी ने करोड़ों की ठगी मामले में आरोपियों की सात गाडियां जब्त की हैं। क्रिप्टो करंसी ठगी मामले में एसआईटी की कार्रवाई लगातार जारी है। करोड़ों के क्रिप्टो करंसी ठगी मामले में एसआईटी ने अब तक चार पुलिस कर्मियों समेत 18 आरोपी गिरफ्तार किए हैं। इसके आलावा एसआईटी ने अब तक 12 करोड़ की प्रॉपटी फ्रीज की है, जिसमें क्रिप्टो करंसी ठगी मामले के मास्टरमाइंड सुभाष शर्मा की तीन करोड़ प्रॉपटी मंडी और जीरकपुर में फ्रीज की गई है। डीजीपी ने बताया कि

करोड़ों की इस ठगी में कई सरकारी कर्मचारी और पुलिस कर्मी शामिल हैं। एसआईटी की जांच में पता चला है कि पुलिस कर्मी पहले इन्वेस्टर बने और फिर एजेंट बन गए। क्रिप्टो करंसी ठगी मामले में सेवानिवृत्त पुलिस कर्मी सुनील स्याल भी इस ठगी का किंग पिन है। एसआईटी ने क्रिप्टो करंसी ठगी मामले में वेबसाइट डीकोट कर ली गई हैं, जिसमें कई ट्रांजेक्शन मिले हैं। डीजीपी संजय कुंडू ने बताया कि शातिर बाहरो-बाहर लोगों को पैसा वापस कर रहे हैं।डीजीपी ने कहा कि विदेश में फरार हुए सुभाष का वीजा खत्म होने वाला है और उसका लुकआउट नोटिस भी दे दिया गया है। डीजीपी संजय कुंडू ने कहा कि एसआईटी क्रिप्टो करंसी ठगी मामले में लोगों से दो करोड़ से ज्यादा ठगने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर रही है। अभी तक की जांच में पता चला है कि 70 से 80 लोगों ने दो करोड़ से अधिक लाभ कमाया है। डीजीपी ने बताया कि एसआईटी ने अब आरोपियों की सात गाडि?ां जब्त की हैं। डीजीपी ने कहा कि क्रिप्टो करंसी ठगी मामले में राम कुमार की किया सोननेट कार, कृष्ण दत्त की मारुति स्विफ्ट, ज्योति देवी की किया सोननेट कार, बलबीर की टाटा नेक्सॉन, हेमराज की आईटेन ग्रैंड, परस राम की क्रेटा और संजय कुमार की फॉर्चूनर गाड़ी जब्त की है। डीजीपी संजय कुंडू ने कहा कि ठगी मामले में एसआईटी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। डीजीपी ने कहा कि ठगी मामले से जुड़े लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

क्रिप्टो करंसी ठगी

फोरेक्स टेडिंग घपले के तीन आरोपी दुबई फरार, पुलिस ने दिया लुक आउट नोटिस